PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-151 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'नियम तब तक उपयोगी हैं, जब तक वे जीवन को सरल बनाएं; जो नियम इंसान को ही बोझ लगने लगें, वे सुधार की मांग करते हैं। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'कागज़ों में उलझा किसान: जब नियम बोझ बन जाएं '

खेत में खड़ा किसान जब बीज बोता है, तो वह केवल अनाज नहीं, बल्कि अपने सपनों को भी धरती में रोपता है। वह मौसम की मार सहता है, दिन-रात मेहनत करता है, तब जाकर उसकी फसल तैयार होती है। लेकिन विडंबना देखिए–जिस किसान ने धरती से अन्न पैदा किया, वही किसान अपनी उपज को बेचने के लिए कागज़ों के जाल में फंस जाता है। सवाल यह है कि किसान की इस दुविधा को आखिर कौन समझे? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

हाल ही में जारी किए गए नियमों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। अब किसान को अपनी फसल मंडी में बेचने के लिए जमाबंदी का ऑनलाइन रिकॉर्ड, गिरदावरी रिपोर्ट और कई प्रकार के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। यदि पटवारी और मंडी की रिपोर्ट में जरा सा भी अंतर पाया गया, तो किसान की फसल खरीदने से इंकार किया जा सकता है। यह व्यवस्था कागज़ों में भले ही पारदर्शिता लाने का प्रयास लगे, लेकिन जमीनी हकीकत में यह किसानों के लिए एक नया संकट बनकर सामने आ रही है। सबसे अधिक परेशानी बटाईदार, सीमांत और लघु किसानों को हो रही है। जो किसान अपनी जमीन पर नहीं, बल्कि बटाई पर खेती करते हैं, उन्हें ?500 के स्टांप पेपर पर शपथ पत्र देना अनिवार्य कर दिया गया है। यह केवल एक कागज़ नहीं, बल्कि एक आर्थिक बोझ है। ?500 का स्टांप,?150 टेक्स चार्ज, ?100 की लिखाई, ?100 का नोटरी और शहर जाने-आने का खर्च–कुल मिलाकर यह प्रक्रिया लगभग ?1000 तक पहुंच जाती है। अब सवाल उठता है कि एक छोटा किसान, जिसकी आमदनी पहले ही सीमित है, वह यह अतिरिक्त खर्च कैसे वहन करेगा?

स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब खेत छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटे हुए हों। कई किसानों के पास आधा या एक बीघा जमीन ही है, और वह भी कई हिस्सों में विभाजित है। ऐसे में हर हिस्से के लिए सहमति और शपथ पत्र जुटाना एक बड़ी चुनौती बन जाती है। तकनीकी रूप से सही दिखने वाला यह नियम व्यवहारिक रूप से किसानों को मंडी तक पहुंचने से रोक रहा है। किसान के लिए यह केवल कागज़ी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समय और ऊर्जा की बर्बादी भी है। जब वह खेत में काम करने के बजाय ई-मित्र केंद्रों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटता है, तो उसकी उत्पादकता पर भी असर पड़ता है। एक तरफ वह प्राकृतिक आपदाओं–तेज गर्मी, कड़ाके की ठंड, बरसात और सूखे–से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी नियमों की जटिलता उसे और कमजोर कर रही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि ये नियम उन लोगों द्वारा बनाए जाते हैं, जो वातानुकूलित कमरों में बैठकर नीतियां तैयार करते हैं। उन्हें खेत की मिट्टी की खुशबू का अनुभव नहीं होता, न ही किसान के पसीने की कीमत का एहसास। कागज़ों में बनाई गई नीतियां जमीनी हकीकत से अक्सर दूर होती हैं, और उसका खामियाजा किसान को भुगतना पड़ता है।

किसान चाहे तो अपनी उपज सीधे बाजार में बेच सकता है, लेकिन नगदी फसलों के लिए उसे मंडी पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि मंडी तक पहुंचने के लिए इतनी जटिल प्रक्रियाएं होंगी, तो किसान या तो बिचौलियों के हाथों शोषित होगा या फिर अपनी फसल का सही मूल्य नहीं प्राप्त कर पाएगा। यह स्थिति न केवल किसान के लिए, बल्कि पूरे कृषि तंत्र के लिए चिंताजनक है। इस समस्या का समाधान जटिलता बढ़ाने में नहीं, बल्कि सरलता लाने में है। सरकार को चाहिए कि वह किसान पर भरोसा करे और स्वयं के शपथ पत्र के आधार पर फसल बेचने की अनुमति दे। तकनीकी सत्यापन की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया जाए, ताकि किसान बिना अतिरिक्त खर्च और परेशानी के अपनी उपज बेच सके। डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि बाधा उत्पन्न करना।

साथ ही, छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। उनके लिए स्टांप शुल्क में छूट या पूरी तरह से समाप्त करने का प्रावधान किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर सत्यापन की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि किसान को शहरों के चक्कर न लगाने पड़ें। किसान केवल एक उत्पादक नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा का आधार है। यदि वही अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहेगा, तो यह व्यवस्था की विफलता का संकेत है। हमें यह समझना होगा कि कानून का उद्देश्य सुविधा देना है, न कि कठिनाई पैदा करना।

अंततः, यह समय है कि सरकार और समाज दोनों किसान की वेदना को समझें। नियमों को इतना सरल बनाया जाए कि किसान अपने अधिकारों से वंचित न रहे, बल्कि सम्मान के साथ अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर सके। क्योंकि जब किसान खुशहाल होगा, तभी देश समृद्ध होगा।

झुंझुनूं में रात 10 बजे ब्लैकआउट: 15 मिनट तक शहर अंधेरे में, सुरक्षा व्यवस्थाओं की हुई जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शहर में शुक्रवार रात ठीक 10 बजे अचानक ब्लैकआउट कर दिया गया, जिससे पूरे शहर में कुछ समय के लिए अंधेरा छा गया। जैसे ही घड़ी ने 10 बजाए, कलेक्ट्रेट परिसर, नेतराम मघराज कॉलेज और डाइट संस्थान में लगे नागरिक सुरक्षा के सायरन तेज आवाज के साथ गूंज उठे। सायरनों की आवाज ने पूरे इलाके को सतर्क कर दिया और लोगों को पहले से जारी निर्देशों के अनुसार तुरंत लाइटें बंद करने का संकेत मिला। इस दौरान रात 10 बजे से लेकर करीब 10:15 बजे तक पूरे शहर में बिजली आपूर्ति बंद रही। करीब 15 मिनट तक चले इस ब्लैकआउट के दौरान जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और नागरिक सुरक्षा की टीमें पूरी तरह अलर्ट मोड पर सड़कों पर तैनात रहीं। हर गतिविधि पर नजर रखी गई और व्यवस्थाओं की बारीकी से मॉनिटरिंग की गई। दरअसल, यह पूरा आयोजन केंद्र सरकार के निर्देश पर आयोजित मॉकड्रिल का हिस्सा था, जिसमें दिन के समय विभिन्न विभागों के बीच तालमेल का अभ्यास किया गया और रात के समय

ब्लैकआउट कर आपातकालीन परिस्थितियों में शहर की तैयारी को परखा गया।

प्रशासन की अपील पर शहरवासियों ने भी पूरा सहयोग दिखाया। घरों और दुकानों के संचालकों ने स्वेच्छा से अपनी लाइटें बंद कर दीं। वहीं सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों ने भी अपनी गाड़ियों की हेडलाइट्स बंद कर दी और वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया।

इस दौरान शहर में अनुशासन और जागरूकता का अच्छा उदाहरण देखने को मिला। ब्लैकआउट खत्म होने के बाद करीब 10:15 बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई, जिसके बाद शहर में सामान्य स्थिति लौट आई। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग और नागरिक सुरक्षा विभाग की टीमों ने पूरे कार्यक्रम की निगरानी की। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि यह मॉकड्रिल जिले की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शहरवासियों ने शांति, अनुशासन और जागरूकता के साथ सहयोग किया, वह अत्यंत सराहनीय है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन और आमजन दोनों का मानसिक रूप से तैयार रहना बेहद जरूरी है। मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और नागरिक सुरक्षा दल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था, ताकि भविष्य में किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. नारनोलिया ने 49वीं मर्तबा रक्तदान कर बनाया रिकॉर्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

जब बात मानवता की सेवा की आती है, तो कुछ लोग केवल उदाहरण नहीं बनते, बल्कि इतिहास रच देते हैं। ऐसा ही अद्भुत और प्रेरणादायक कार्य शुक्रवार को देखने को मिला, जब संत निरंकारी मंडल के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में डॉ प्रभाष नारनौलिया ने रिकॉर्ड 49वीं बार रक्तदान कर सेवा का नया अध्याय लिख दिया। लक्ष्मणगढ़ पत्रकार संघ के सचिव एवं बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहते हुए भी डॉ. नारनोलिया ने समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता में रखा है।

नरात गांव में अंबेडकर सामुदायिक भवन का शिलान्यास, ग्रामीणों की सहभागिता से शुरू हुआ निर्माण कार्य

भूमि दानदाता सहीराम का अभिनंदन, डिजिटल लाइब्रेरी स्थापना का भी रखा लक्ष्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

बुहाना उपखंड क्षेत्र के नरात गांव में शुक्रवार को ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन का शिलान्यास भव्य

समारोह में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं गौतम बुद्ध के छायाचित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके पश्चात विधिवत रूप से शिलान्यास पत्थर रखकर भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बुहाना की उपखंड अधिकारी पूनम मीणा रहीं, जबकि अध्यक्षता विकास अधिकारी अशोक कुमार ने की। विशिष्ट अतिथियों में सीबीईओ वेद प्रकाश रांगेय, दैनिक भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार, कामरेड ओमप्रकाश झारोडा, मेजर सुरेश सिंह तंवर (गादली), सहीराम तूंदवाल गुरुजी, छोटेलाल आर्य, दारा सिंह कलवा, बलवीर सिंह रांगेय, धूलवा सरपंच गिरधारी लाल मावत, पूर्व सरपंच रामकुमार झिरोडा, ओमप्रकाश मरोडिया, पूर्व प्रिंसिपल गोरूराम चोरा, अशोक गोठवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भूमि दानदाता सहीराम का विशेष रूप से सम्मान कर उनका अभिनंदन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से बनने वाला यह सामुदायिक भवन गांव के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही भवन परिसर में विद्यार्थियों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। समाजसेवी मेजर सुरेश सिंह तंवर ने इस पहल की सराहना करते हुए 31 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। वहीं ग्रामीणों ने भी श्रमदान और आर्थिक सहयोग के माध्यम से इस निर्माण कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार ने बाबा साहेब अंबेडकर एवं माता रमाबाई अंबेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। वहीं ओमप्रकाश झारोडा ने बाबा साहेब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के सिद्धांत को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि बाबा साहेब के विचारों का प्रसार समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, तभी सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय और समता की स्थापना संभव है। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही और सभी ने इस जनहितकारी पहल की सराहना की।

प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर उत्कर्ष मितल का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । श्री टोडरमल पी. जी महाविद्यालय मे राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन 2026 में 10वीं रैंक प्राप्त करने पर महाविद्यालय का नियमित छात्र रहा उत्कर्ष मितल व माता पिता को सम्मानित किया गया । महाविधालय सचिव पवन मिश्रा व डॉ सोमेश सिंह नें छात्र उत्कर्ष मितल को माला व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य नरेश कुमार नें इस अवसर पर उदबोधन में कहा कि हमें इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए व मेहनत करनी चाहिए। राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर छात्र उत्कर्ष ने कहा कि मैंने इस महाविद्यालय से बहुत कुछ सीखा सभी गुरुजनो का स्नेह व आशीर्वाद रहा ' तथा निरन्तर मार्गदर्शन देते रहे। महाविद्यालय के पूर्व में भी कई छात्र छात्राएँ भिन्न -भिन्न राजकीय सेवा में भी अपनी सेवा दे रहें। इस अवसर पर छात्र के पिता रमाकांत मितल सुनिल कुमार राघव व महाविद्यालय स्टाफ व्याख्याता राजेन्द्र ढेनवाल, सज्जन शर्मा करतार सैनी, धनेन्द्र पाल सिंह, कासिम कुरेशी, राजेश सैनी, संगीता चौधरी, बाबूलाल सैनी, सुमन चौधरी, विनोद ढेनवाल, प्रवीण शर्मा आदि मौजूद रहें।

कांग्रेस की संगठन बढावों-लोकतंत्र बचावों अभियान की मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहपुर।

ब्लॉक कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को संगठन बढ़ावों-लोकतंत्र बचावों अभियान की मीटिंग का आयोजन विधायक हाकम अली के सानिध्य में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुईं। मीटिंग में फ़तेहपुर कांग्रेस प्रभारी डॉ कुलदीप ढाका, दिनेश भादु, ब्लॉक अध्यक्ष झाबरमल धायल, पवन दाधीच, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आर.सी.चौधरी,मुस्ताक नजमी, महिपाल नेहरा, जावेद, पवन सैनी, सुरेन्द्र माहिचा, छेटेलाल माहिचा, रूकसाना बानों, पीसीसी सदस्य महावीर मेव, भागीरथ कटारिया, एंड.आरिफ़ खान सहित पार्षद, सरपंच, कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस अवसर पर विधायक हाकम अली ने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने व महिला आरक्षण 2023 को लागू करने को लेकर कहा कि सरकार के खिलाफ सड़कों पर आंदोलन किया जायेगा व डॉ कुलदीप ढाका ने संगठन को मज़बूत करने व सरकार की दमनकारी नीतियों का पुरज़ोर विरोध किया जाएगा, मीटिंग में आर.सी.चौधरी व दिनेश भादु ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

खण्ड बुहाना में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ, पहले दिन 172 किशोरियों को लगी वैक्सीन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से खण्ड बुहाना में शुक्रवार को एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत खण्ड के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 9 स्थानों पर टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए। अभियान के पहले दिन किशोरियों और उनके अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए गए जागरूकता प्रयासों का सकारात्मक असर भी नजर आया, जिसके चलते पहले ही दिन 172 किशोरियों का टीकाकरण किया गया। खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयवीर सिंह भगासरा ने बताया कि यह अभियान 5 मई 2026 तक लगातार चलाया जाएगा। इस दौरान खण्ड की सभी पात्र किशोरियों को टीकाकरण के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी बेटियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर आएं और एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, ताकि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

वैभव ने 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने की प्रैक्टिस:अभिषेक शर्मा ने किया बॉलिंग का अभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में कल राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस बड़े मुकाबले से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने स्टेडियम पहुंचकर अभ्यास किया। राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अभ्यास के दौरान खास आकर्षण का केंद्र रहे। वैभव छह

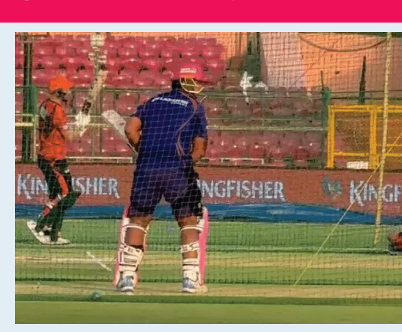

गेंदों पर छह छक्के लगाने की चुनौती के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिखे। टीम के स्पिनर रवि बिश्नोई बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर के साथ फील्डिंग अभ्यास करते नजर आए। कैचिंग, रनिंग और मैच सिचुएशन को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों ने अलग-अलग सेशन में हिस्सा लिया। दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी अलग अंदाज में नजर आए। बल्लेबाजी के बजाय बॉलिंग अभ्यास करते दिखे। अभिषेक ने टीम के स्पिन कोच मुथैया मुरलीधरन से बातचीत कर गेंदबाजी के टिप्स लिए और नेट्स में अपनी बॉलिंग पर खास मेहनत की। अभिषेक शर्मा के साथ कप्तान पैट कमिंस समेत हैदराबाद के सभी खिलाड़ी बैटिंग और बॉलिंग प्रैक्टिस में जुटे रहे।

हमारा बैटिंग लाइनअप काफी मजबूत है

राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगाकारा ने जयपुर में बढ़ती गर्मी को लेकर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। संगाकारा ने कहा- यह अच्छी बात है कि इस गर्मी में मुझे मैदान में उतरना नहीं पड़ रहा। मैं डग आउट में बैठकर गर्मी से बच रहा हूं। इस बार टीम के पास बेहद मजबूत बैटिंग यूनिट है। ओपनिंग बल्लेबाजों की जोड़ी विपक्षी टीमों के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। हमारा बैटिंग लाइनअप काफी मजबूत है। टीम के शानदार ऑलराउंडर्स हमें और ज्यादा मजबूत बना रहे हैं।

अगर बच्चे के चेहरे पर दिखें ये निशान, तो समझो उसके उनको हो गई है पोषण की कमी

त्वचा मानव शरीर का सबसे बड़ा अंग है और यह शरीर के अंदरूनी स्वास्थ्य स्थितियों के सबसे स्पष्ट संकेतकों में से एक है। अगर बात बच्चों की कि जाए तो उनकी स्किन सिर्फ बाहरी सुंदरता नहीं दिखाती, बल्कि उनकी अंदरूनी सेहत का आईना भी होती है। कई बार पोषण की कमी (न्यूट्रिशनल डिफिशिएंसी) के संकेत सबसे पहले स्किन पर ही दिखाई देते हैं।

बच्चों की त्वचा में दिखने वाले इन चेतावनी संकेतों को ना करें नजरअंदाज

सूखी और बेजान त्वचा: अगर बच्चे की स्किन बहुत ड्राई, खुरदरी या फटी हुई लगती है, तो यह विटामिन्र की कमी या हेल्दी फैट्स की कमी का संकेत हो सकता है।

बार-बार रैशेज या लाल दाने: त्वचा पर बार-बार लाल चकत्ते या रैशेज दिखना विटामिन क्ककॉम्प्लेक्स की कमी की ओर इशारा कर सकता है।

होंठों का फटना और किनारों पर कट: अगर बच्चे के होंठ बार-बार फटते हैं या मुंह के किनारों पर दरारें पड़ती हैं, तो विटामिन क्क2 की कमी हो सकती है।

त्वचा का पीला या फीका पड़ना: स्किन का रंग अचानक फीका या पीला दिखना, आयरन की कमी (एनीमिया) का संकेत हो सकता है।

घाव का देर से भरना: अगर बच्चे के छोटे-छोटे घाव भी जल्दी ठीक नहीं होते, तो विटामिन ष्ट की कमी हो सकती है।

माता-पिता करें ये काम

बच्चों की डाइट में हरी सब्जियां, फल, दूध, दालें और नट्स शामिल करें। जंक फूड और पैकेज्ड फूड कम करें, रोजाना धूप और एक्टिविटी जरूरी है। जरूरत हो तो डॉक्टर से सलाह लेकर सप्लीमेंट दें। ध्यान रखें कि बच्चों की स्किन पर दिखने वाले छोटे-छोटे बदलाव बड़ी कमी का संकेत हो सकते हैं। समय रहते पहचान और सही पोषण देने से आप बच्चे की हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं। बच्चों की त्वचा बोले तो समझिए, शरीर कुछ कहना चाहता है।

आलू रोस्टी

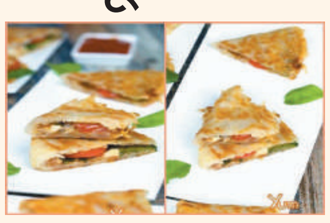

अगर आप नाश्ते में कुछ नया, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला ट्राई करना चाहते हैं, तो आलू रोस्टी एक बेहतरीन विकल्प है। यह बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट होता है, जिसमें चीज़, पालक और टमाटर का स्वाद इसे और भी खास बना देता है। कम सामग्री में बनने वाली यह रेसिपी बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगी।

सामग्री
कद्दूकस किए हुए आलू – 300 ग्राम
नमक – 1 चम्मच
पिघला हुआ मक्खन – 25 ग्राम
कॉर्न फ्लोर – 40 ग्राम
ऑलिव ऑयल – 2 चम्मच
कद्दूकस किया हुआ प्रोसेस्ड चीज़ – 50 ग्राम
पालक के पत्ते – 12 ग्राम
टमाटर – 70 ग्राम

विधि

1. एक बाउल में 300 ग्राम कद्दूकस किए हुए आलू, 1 चम्मच नमक, 25 ग्राम पिघला हुआ मक्खन और 40 ग्राम कॉर्न फ्लोर डालें। अच्छी तरह मिलाएं।
2. एक पैन में थोड़ा ऑलिव ऑयल गर्म करें। तैयार आलू के मिश्रण को पैन में समान रूप से फैलाएं और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं।
3. धीरे से पलटें। ऊपर कद्दूकस किया हुआ प्रोसेस्ड चीज़ डालें, फिर पालक के पत्ते और टमाटर की स्लाइस रखें। फिर इसे फोल्ड करें और आंच से उतार लें।
4. आधा काटकर गरमागरम परोसें।

गर्मियों के लिए परफेक्ट खीरे के छिलके का रायता, जानें बनाने का आसान तरीका

गर्मियों में ठंडी और हल्की चीजें खाने का मन करता है, ऐसे में रायता हर घर की थाली का जरूरी हिस्सा बन जाता है। आमतौर पर लोग खीरे का गूदा इस्तेमाल करते हैं और छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खीरे के छिलके भी पोषण से भरपूर होते हैं? इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन देने में मदद करते हैं। ऐसे में खीरे के छिलकों से बना रायता स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है।

सामग्री

खीरे के छिलके – 1 कप
दही – 1 कप
जीरा पाउडर – 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक – 1/2 छोटा चम्मच
नमक – स्वादानुसार
हरी मिर्च – 2
राई – 1/2 छोटा चम्मच
तेल – 2 छोटे चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले खीरे को अच्छी तरह धो लें और उसके छिलकों को पतला-पतला काट लें। एक कड़ाही में तेल गरम करें और उसमें राई डालकर तड़का लगाएं।

अब इसमें खीरे के छिलके डालकर 2 मिनट हल्का सा भून लें, ताकि उनका कच्चापन खत्म हो जाए।

एक बाउल में दही को अच्छे से फेंट लें। इसमें ठंडे किए हुए छिलके डालें और अच्छे से मिक्स करें।

अब नमक, काला नमक, जीरा पाउडर और हरी मिर्च डालकर मिला लें।

ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और ठंडा-ठंडा सर्व करें।

क्यों है ये खास?

खीरे के छिलकों में मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है और शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। यह रायता गर्मियों में हेल्दी, टेस्टी और वेस्ट कम करने वाला शानदार विकल्प है।

घर पर बनाएं मसालेदार तरबूज

गर्मियों में ठंडा और रिफ्रेशिंग तरबूज हर किसी को पसंद आता है, लेकिन अगर इसमें थोड़ा स्पाइसी ट्विस्ट जोड़ दिया जाए तो इसका स्वाद और भी मजेदार हो जाता है। स्पाइसी वॉटरमेलन एक ऐसी यूनिक और चटपटी रेसिपी है, जो मीठे, खट्टे और तीखे स्वाद का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देती है। यह रेसिपी न सिर्फ जल्दी तैयार हो जाती है, बल्कि पार्टी या स्नैक के तौर पर भी एकदम परफेक्ट है।

सामग्री
इमली का गूदा – 40 ग्राम
रेड चिली सॉस – 2 बड़े चम्मच
नींबू का रस – 1 छोटा चम्मच
कोरियन रेड चिली – 2 बड़े चम्मच
लेमन पेपर सीज़निंग – 2 छोटे चम्मच
तरबूज के स्लाइस – 400 ग्राम

बनाने की विधि

1. एक बाउल में इमली का गूदा, रेड चिली सॉस और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।
2. अब एक प्लेट में कोरियन रेड चिली और लेमन पेपर सीज़निंग डालकर मिला लें।
3. तरबूज का एक स्लाइस लें, उस पर इमली वाला मिश्रण ब्रश की मदद से लगाएं।
4. इसके बाद उसे चिली सीज़निंग वाले मिश्रण में अच्छी तरह कोट करें।
5. तैयार है आपका स्पाइसी वॉटरमेलन, तुरंत सर्व करें।

बार-बार पेनकिलर खाना छोड़िए! सिरदर्द और एलर्जी के लिए रामबाण है पान के पत्ते का ये नुस्खा; तुरंत दिखेगा असर!

भारतीय संस्कृति में पान के पत्ते का धार्मिक और पारंपरिक महत्व सर्वविदित है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि औषधीय गुणों से भरपूर यह पत्ता आपको भयंकर सिरदर्द और कष्टदायक एलर्जी से भी निजात दिला सकता है। आइए जानते हैं पान के पत्तों के वे औषधीय राज जो आपकी सेहत बदल सकते हैं।

सिरदर्द में आराम

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द और माइग्रेन एक आम समस्या बन गई है। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, पान के पत्तों में एनाल्जेसिक गुण होते हैं जो दर्द निवारक के रूप में कार्य करते हैं। यदि आपको तेज सिरदर्द हो रहा है तो पान के पत्तों का पेस्ट बनाकर माथे पर लगाने से तुरंत ठंडक और राहत मिलती है। इसके अलावा आप पान के पत्तों को माथे पर पट्टी की तरह बांध भी सकते हैं। इसके कूलिंग इफेक्ट्स नसों को शांत करते हैं और दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

एलर्जी और छींकों से दिलाता है छुटकारा

बदलते मौसम में होने वाली एलर्जी, बार-बार छींक आना और नाक बहना बहुत परेशान करता है। पान के पत्ते एंटी-हिस्टामाइन गुणों से भरपूर होते हैं। एलर्जी से राहत पाने के लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी का सेवन करना या उसकी भाप लेना बेहद फायदेमंद होता है। यह श्वसन तंत्र की सूजन को कम करता है और फेफड़ों को राहत पहुंचाता है।

संक्रमण और घावों को भरने में सहायक

पान के पत्तों में शक्तिशाली एंटी-सेप्टिक और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं। यदि शरीर पर कहीं खुजली, रेडनेस या छोटा घाव हो गया है तो पान के पत्तों का अर्क या पेस्ट लगाने से संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। यह त्वचा की समस्याओं के लिए एक प्रभावी और सस्ता घरेलू उपचार है।

पाचन और ओरल हेल्थ के लिए वरदान

भोजन के बाद पान चबाना केवल एक परंपरा नहीं है बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी हैं। यह लार ग्रंथियों को सक्रिय करता है जिससे पाचन क्रिया तेज होती है। साथ ही यह मुंह के बैक्टीरिया को मारकर मसूड़ों की सूजन और दुर्गंध को दूर करने में भी सहायक है।

ध्यान रहे कि औषधीय उपयोग के लिए सादे पान के पत्तों का ही प्रयोग करें। तंबाकू, कत्था या चूने के साथ इसका सेवन इन स्वास्थ्य लाभों को खत्म कर सकता है।

मसाला पाइनएप्पल रेसिपी

गर्मियों में कुछ खट्टा-मीठा और चटपटा खाने का मन हो तो मसाला पाइनएप्पल एक परफेक्ट ऑप्शन है। यह रेसिपी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब है, बल्कि बहुत ही जल्दी और आसानी से बन जाती है। पाइनएप्पल की मिठास, नींबू की खटास और मसालों का तीखापन मिलकर इसे और भी खास बना देता है। यह एक हेल्दी और रिफ्रेशिंग स्नैक है, जिसे आप कभी भी बनाकर एन्जॉय कर सकते हैं।

सामग्री
पाइनएप्पल – 350 ग्राम
लाल मिर्च पाउडर – 1/2 छोटा चम्मच
नमक – 1/4 छोटा चम्मच
कश्मीरी लाल मिर्च – 1 बड़ा चम्मच
शहद – 1 बड़ा चम्मच
नींबू का रस – 1/2 छोटा चम्मच

बनाने की विधि

1. सबसे पहले 350 ग्राम पाइनएप्पल को अच्छे से काटकर स्लाइस बना लें।
2. एक बाउल में लाल मिर्च पाउडर, नमक, कश्मीरी लाल मिर्च, शहद और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं, ताकि स्मूद मिश्रण तैयार हो जाए।
3. अब इस मिश्रण में पाइनएप्पल के स्लाइस डालें और अच्छी तरह टॉस करें, ताकि मसाला हर स्लाइस पर अच्छी तरह लग जाए।
4. तैयार मसाला पाइनएप्पल को तुरंत सर्व करें और इसका स्वाद लें। टिप: चाहें तो इसे ठंडा करके भी सर्व कर सकते हैं, इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा!

सिर्फ 5 मिनट में तैयार करें आंवले का जूस, चेहरे पर आएगा गजब का निखार और बीमारियां रहेंगी कोसों दूर!

बढ़ते तापमान और उमस भरी गर्मी में शरीर की ऊर्जा बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में आयुर्वेद का अमृतफल यानी आंवला आपके लिए वरदान साबित हो सकता है। विटामिन-सी से भरपूर आंवले का शरबत न केवल शरीर को ठंडक देता है बल्कि आपकी इम्युनिटी को भी लोहे जैसा मजबूत बनाता है।

गर्मी हो या सर्दी आंवले का सेवन शरीर के लिए हमेशा लाभकारी होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चिलचिलाती धूप और हीटवेव के बीच आंवले का शरबत पीना आपको डॉक्टर के पास जाने से बचा सकता है। आयुर्वेद में आंवला को अमलकी कहा गया है जो वात, पित्त और कफ यानी त्रिदोष को संतुलित करने की अद्भुत क्षमता रखता है।

क्यों जरूरी है आंवले का जूस

गर्मियों के मौसम में शरीर में पित्त और वात का असंतुलन होना आम बात है जिससे शरीर में जकड़न, थकान और बेचैनी महसूस होती है। आंवले में मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स न केवल संक्रमण से बचाते हैं बल्कि शरीर के आंतरिक तापमान को भी सामान्य बनाए रखते हैं। इसे पीने से लू लगने का खतरा कम हो जाता है और शरीर की सुस्ती तुरंत खत्म होती है।

घर पर कैसे बनाएं – आंवले का जूस बनाना बेहद आसान है और इसके लिए आपको केवल कुछ प्राकृतिक चीजों की जरूरत होगी। ताजा आंवला रस, मटके का पानी, धागे वाली मिश्री, सेंधा नमक, भीगे हुए सब्जा के बीज और बर्फ सामग्री की जरूरत होगी। सबसे पहले एक गिलास मटके के पानी में आंवले का रस मिलाएं। अब इसमें एक चुटकी सेंधा नमक और स्वादानुसार पिसी हुई धागे वाली मिश्री डालें। अंत में भीगे हुए सब्जा के बीज मिलाएं और बर्फ डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

चेहरे की चमक बढ़ाए- आंवला जूस केवल एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक नहीं है बल्कि यह एक ब्यूटी सप्लीमेंट भी है। गर्मी के कारण चेहरे पर होने वाले मुहांसे और त्वचा की रूखी रंगत को यह अंदर से ठीक करता है। यह पेट की अग्नि को शांत करता है जिससे पाचन सुधरता है और त्वचा में प्राकृतिक नमी बनी रहती है। पसीने के जरिए शरीर से निकलने वाले जरूरी मिनरल्स की भरपाई यह जूस तुरंत कर देता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स थकान को मिटाकर शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं।

नगर पालिका सिंघाना में 'श्री श्याम पावर टूल्स' का भव्य शुभारंभ

'सहयोग एक पहल संस्थान' के अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

बुहाना मोड़ सिंघाना पर तकनीकी क्षेत्र को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री श्याम पावर टूल्स का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 'सहयोग एक पहल' संस्थान के अध्यक्ष डी.पी. सैनी उपस्थित रहे, जिन्होंने फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग लाल टेलर ने की। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित रहे।

उचित दर पर मिलेंगे सभी प्रकार के टूल्स

प्रतिष्ठान के मालिक पार्षद अशोक सैनी और राकेश सैनी करमाड़ी ने संयुक्त रूप से बताया कि दुकान पर सभी प्रकार के आधुनिक पावर टूल्स उचित और प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर सर्विस और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करना है, ताकि क्षेत्र के मिस्त्री और आम जन को दूर-दराज के शहरों की ओर न भागना पड़े। इस मौके पर उद्घाटन

समारोह में बाबूलाल सैनी, अनिल, बाबूलाल कालोडीया, राजू गराटी, बजरंग, लक्ष्मण सेन, मुकेश मीणा, रामप्रसाद, अनिल सैनी, विक्रम सैनी, विवेक, अभिषेक, शेर सिंह मिस्त्री, विनोद मिस्त्री, रणजीत और गुरुदयाल खांडा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। साथ ही मुरारीलाल पंच, ताराचंद सैनी, पवन भार्गव, पवन सैनी, मनीराम ढाणा, भादर सैनी, बलवीर सैनी, अक्षय सैनी, अनुज सैनी, राजेन्द्र दहका, शंकर दहका, जितेन्द्र दीपपुरा, अनुराग दीपपुरा, योगेश दीपपुरा, मनोज सैन, प्रेम करमाड़ी, सुरेश सैनी ढाणा और राजवीर योगी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

समाधान शिविर में आई शिकायतों के निपटान में फतेहाबाद निरंतर प्रदेश में अव्वल

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता ने डीसी डॉ. विवेक भारती को दी बधाई

समाधान प्रकोष्ठ पर आई शिकायत के निपटान में प्रशासन की कार्यशैली बनी अन्य जिलों के लिए अनुकरणीय

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निपटान में फतेहाबाद जिला पूरे प्रदेश में निरंतर अव्वल स्थान पर है।हरियाणा सरकार में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता ने शुक्रवार को आयोजित समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में इस उपलब्धि पर डीसी डॉ. विवेक भारती और जिला प्रशासन की कुशल प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। प्रधान सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि फतेहाबाद जिला प्रशासन समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से

लेकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जो अन्य जिलों के लिए भी एक उदाहरण व अनुकरणीय कदम है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निपटान पर जिला प्रशासन की कार्यशैली सराहनीय है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को कहा किए यह टीम भावना का ही उदाहरण है कि जिला जनसेवा को समर्पित कार्यों को प्रभावी ढंग से कर रहा है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 व 2026 की सभी लंबित शिकायतों का जल्द निपटान सुनिश्चित कर उसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को भेजी जाए। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जिन शिकायतों को खारिज किया गया है, उनकी कारण सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों को एसएमजीटी पोर्टल, सीपीग्राम, जनसंवाद और सीएम विंडो पर दर्ज शिकायतों के निपटान को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को आयोजित हो रहें समाधान शिविर सीटीएम गौरव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर एडीसी अनुराग ढालिया, डीएमसी प्रवीण कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फतेहाबाद पुलिस का ऑपरेशन जीवन ज्योति रंग ला रहा: नशा पीड़ितों को नई जिंदगी की ओर बढ़ाया

सीएचसी रतिया में दाखिल पीड़ितों का हाल-चाल जाना, गांवों से नए पीड़ितों को उपचार के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति की दिशा में लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने समाज को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से जागरूकता एवं उपचार दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण पहल की है। नशा मुक्ति टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में टीम ने सीएचसी रतिया में दाखिल नशा पीड़ितों का हाल-चाल जाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए प्रेरित किया। टीम द्वारा पीड़ितों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाते हुए उन्हें नशा छोड़ने के लिए काउंसलिंग भी की गई। इसके साथ ही गांव बादलगढ़ व लठेरा से एक-एक नए पीड़ित को चिन्हित कर उन्हें उपचार के लिए सीएचसी

रतिया में दाखिल करवाया गया। इसके अतिरिक्त टीम ने वार्ड नंबर 5 रतिया में 03 नशा पीड़ितों की पहचान कर उन्हें भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया तथा पहले से उपचाराधीन 07 पीड़ितों को काउंसलिंग के बाद आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। टीम का मुख्य उद्देश्य न केवल पीड़ितों को उपचार दिलवाना है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनः जोड़ना भी है।फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान निरंतर जारी है और आने वाले समय में भी अधिक से अधिक नशा पीड़ितों को चिन्हित कर उन्हें उपचार एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

चार साल से बिजली कनेक्शन का इंतजार, राशि जमा के बावजूद नहीं मिली सप्लाई; मंत्री से लगाई गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । गांव मिर्जापुर-बाछौद में एक व्यक्ति पिछले चार वर्षों से बिजली कनेक्शन के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। राष्ट्रीय राजमार्ग-11 बाईपास के पास रहने वाले पीड़ित ने वर्ष 2022 में निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सिक्योरिटी व अन्य मदों में हजारों रुपये जमा करवा दिए, लेकिन आज तक बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया। जानकारी के अनुसार मिर्जापुर निवासी तेजसिंह ने 3 जनवरी 2022 को अटेली उपमंडल कार्यालय के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था और 26,250 रुपये जमा करवाए थे। हालांकि 21 जनवरी को आवेदन निरस्त कर दिया गया। इसके बाद 15 फरवरी को पुनः आवेदन किया गया, जिस पर 24 मई 2022 को 8 किलोवाट एनडीएस कनेक्शन के लिए स्वीकृति आदेश भी जारी कर दिए गए। पीड़ित का

कहना है कि आदेश जारी होने के बाद बिजली निगम ने मौके पर बिजली के पोल भी लगा दिए थे। इसके बावजूद चार साल बीत जाने के बाद भी कनेक्शन चालू नहीं किया गया। इतना ही नहीं, अब निगम द्वारा लगाए गए पोल भी हटाने की बात कही जा रही है। तेजसिंह ने बताया कि उसने कनेक्शन के लिए कुल करीब 26 हजार व 51 हजार रुपये की राशि सिक्योरिटी के रूप में जमा करवाई है, जो अब तक निगम के पास ही जमा है। कनेक्शन नहीं मिलने से उसे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में बिजली निगम के जेई अशोक ने बताया कि जिस योजना के तहत यह कनेक्शन होना था, वह योजना अब बंद हो चुकी है। वहीं पीड़ित का कहना है कि उसने समय रहते सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी थीं, इसके बावजूद उसे कनेक्शन से वंचित रखा गया। पीड़ित तेजसिंह ने अब बिजली मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द से जल्द कनेक्शन दिलाने और न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

महवा में नशे पर शिकंजा, खाकी पर भी उठे सवाल

तीन तस्कर दबोचे, थानाधिकारी लाइन हाजिर, कॉन्स्टेबल निलंबित

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा थाना इलाके में नशे के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान ने एक ओर जहां तस्करों की कमर तोड़ी है, वहीं दूसरी ओर खाकी की साख पर भी सवालों की परछाई डाल दी है। पुलिस की स्पेशल टीम ने दो ठिकानों पर दबिश देकर तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से करीब तीन किलो गांजा बरामद किया, लेकिन कार्रवाई के बाद जो खुलासे सामने आए, उन्होंने महकमे में हड़कंप मचा दिया। जयपुर रेंज के आईजी राहुल प्रकाश ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पकड़े गए तस्करों से पूछताछ में पुलिसकर्मियों की मिलीभगत के संकेत मिले हैं। जांच में महवा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा और कॉन्स्टेबल राजेश मीणा की कार्यप्रणाली संदिग्ध पाई गई, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया, वहीं कॉन्स्टेबल को निलंबित कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दौसा एसपी को सौंपे गए हैं। कार्रवाई के तहत स्पेशल टीम ने पहले पाली रोड स्थित हनुमान नगर में दबिश दी, जहां सुनील कुमार सैनी के पास से 1.331 किलो गांजा बरामद किया गया। इसके बाद भरतपुर रोड पर हनुमान मैरिज गार्डन के सामने दूसरी कार्रवाई में फूलसिंह सैनी और मनोज सैन को दबोचते हुए उनके पास से 1.745 किलो गांजा जब्त किया गया। दोनों कार्रवाइयों ने यह साफ कर दिया कि नशे का जाल कस्बे की गलियों तक फैल चुका है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत महवा थाने में अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर लिए गए हैं और अब जांच की सुई उन संभावित कड़ियों की ओर घूम रही है, जो इस अवैध कारोबार को संरक्षण दे रही थीं।

'दीवारों के भी कान होते हैं, ये बात अब सच हुई,
जो पहरेदार थे वही कटघरे में खड़े नजर आए।'

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब रक्षक ही संदेह के घेरे में हों, तो व्यवस्था पर भरोसा किस आधार पर टिका रहेगा। फिलहाल, उच्चाधिकारियों की सख्ती से यह संकेत जरूर गया है कि 'नशे के सौदागरों पर ही नहीं, उनके हमदर्दों पर भी अब गाज गिरना तय है।'

10 मई को फतेहपुर में होने वाले उपचुनाव के सरपंच के लिए चार प्रत्याशियों ने नामांकन भरा

पूर्व सरपंच संतोष देवी की पुत्रवधू सीमा ने भी भरा नामांकन, फतेहपुर गांव के 1272 मतदाता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । जिले में पंचायतों उपचुनाव चुनाव की 10 मई की तारीख के ऐलान के साथ ही अटेली खंड के गांव फतेहपुर-फतनी में राजनीतिक सरगर्मियां का गर्मी के साथ तापमान तेज हो गया है। गांव में सरपंच पद महिला के लिए आरक्षित होने के कारण अब तक चार प्रत्याशियों ने अपने नामांकन जमा करवा दिये है आज शनिवार को नामांकन जमा करवाने का अंतिम दिन है। पूर्व सरपंच संतोष देवी की पुत्रवधू सीमा ने भी अपना नामांकन भर दिया है। पंचायत के आम चुनावों में मोनिका गांव की सरपंच निर्वाचित हुई थी लेकिन शिक्षिका की नौकरी मिलने पर सरपंच के पद से त्यागपत्र दे कर अध्यापिका का पेशा चुन लिया। उसके बाद गांव में 8 पंचों में बहुमत वाली पंच सुष्मिता गांव की कार्यवाहक सरपंच बनी। गांव में नई मतदाता सूची के अनुसार 1272 वोट है। 21 से 25 अप्रैल तक सरपंच के नामांकन भरे जाने की प्रक्रिया चलनी है। 26 से 27 अप्रैल तक नामों की जांच होगी तथा 28 अप्रैल तक नाम वापिस ले सकते उसके बाद उसी दिन चुनाव चिन्ह भी अलाट कर दिये जाएंगे। उसके बाद रविवार को सुबह आठ बजे से छः बजे तक मतदान होगा। गांव की महिलाए अब खुलकर अपनी बात रख रही है और केबल नाम मात्र की प्रतिनिधि नहीं बल्कि स्वयं और निर्णय लेने पाली महिला सरपंच की निर्वाचित हो ताकि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चुनावों में भले ही महिला सरपंच चुनी गई लेकिन वास्तविक कार्य और निर्णय

उनके परिवार के पुरुष सदस्य ही लेते रहे जिससे महिलाओं की समान्याएं अनदेखी गई। इस बार ग्रामीण महिलाएं इस परंपरा को बदलने के मूड में नजर आ रही है। गांव में सफाई स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर महिलाएं सामने आ रही है। गांव में अनुसूचित जाति बस्ती के समीप बने जोहड़ की छटाई के साथ लंबे समय पहले गरीबों को दिये गये प्लाटों में अभी तक रोड व गलियों व पेयजल की व्यवस्था का प्रमुख मुद्दा सामने आ रहा है। ऐसे में फतेहपुर का यह चुनाव केवल एक पद का नहीं बल्कि असली नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण को परीक्षा बन गया है। अब हम हमने पहले भी महिला सरपंच चुनी है, लेकिन फैसले उनके पति और परिवार के पुरुष लेते रहे इससे समस्याएं कभी सही तरीके से सामने नहीं आ पाई। सहायक रिटर्निंग अधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि अभी तक सुमन पत्नी सुरेंद्र, अंजना पत्नी संदीप कुमार, सीमा यादव पत्नी दीपक व पूजा शर्मा पत्नी वेद प्रकाश शामिल है। शुक्रवार तक चार प्रत्याशियों ने नामांकन जमा करा दिये है। नामांकन जमा करवाते समय पूर्व सरपंच की पुत्रवधू सीमा यादव ने कहा कि वह एमए बीएड होने के साथ गांव में बुनियाद के तहत ग्रामीणों को शिक्षित करने का कार्य करती है। अगर ग्रामीणों ने सरपंच की जिम्मेदारी दी तो गांव में लाइब्रेरी के अलावा गांव में साफ-सफाई, जोहड़ की छटाई समेत दूसरे कार्य प्रमुखता से किए जाएंगे।

डूमोली खुर्द पीएचसी पर एचपीवी वैक्सीन महाभियान, बालिकाओं को किया गया टीकाकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.डूमोली खुर्द।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डूमोली खुर्द में शुक्रवार को चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. लोकेश कुमार की निगरानी में एचपीवी वैक्सीन महाभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे सर्वाइकल (सर्विक्स) कैंसर से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाना और बालिकाओं को समय पर टीकाकरण उपलब्ध कराना है।अभियान के तहत क्षेत्र की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। इस दौरान आरती पुत्री महेंद्र सिंह, भोदन, शिवानी पुत्री श्यामसुंदर, डूमोली खुर्द और किस्मत पुत्री कृष्ण कुमार, डूमोली खुर्द को वैक्सीन दी गई।टीकाकरण कार्य मुकेश देवी (प्रसाविका) एवं सुमन बाई द्वारा किया गया। वहीं इस पूरे अभियान की निगरानी रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य गणेश चंद सैनी, दर्शन

कुमार (नर्सिंग ऑफिसर), सुशीला वर्मा, अनीता एवं मुकेश पाटिल (डीईओ) द्वारा की गई। डॉ. लोकेश कुमार ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित है और यह सर्वाइकल कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी 14 वर्ष से 15 वर्ष 3 माह तक की बालिकाओं को अनिवार्य रूप से यह टीका लगवाएं, ताकि भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाव सुनिश्चित किया जा सकें।

संत निरंकारी मंडल का मानव एकता दिवस पर रक्तदान शिविर व सत्संग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

संत निरंकारी मिशन जॉन 19 ए चुरु की ब्रांच लक्ष्मणगढ़ की ओर से निजी स्कूल में बाबा गुरु वचन सिंह की स्मृति में मानव एकता दिवस पर आध्यात्मिक सत्संग एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी गिरीश कुदाल ने बताया ने कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सहित सेवादल के कार्यकर्ताओं ने अपना योगदान दिया। रक्तदान शिविर में सीकर की श्री कल्याण अस्पताल की टीम ने 86 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। इस अवसर पर आयोजित सत्संग में गिरीश कुमार कुदाल, कुंभाराम, शिव भगवान बजाज सहित पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में अंतर सदनीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर में शुक्रवार को विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अंतर सदनीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव तथा वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव रहे। प्रतियोगिता में राधाकृष्ण, मीराबाई, मंगल पांडे और कल्पना चावला सदन के बीच रोचक मुकाबला हुआ।प्रतियोगिता पांच चरणों में आयोजित की गई, जिसमें सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान, खेल, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रश्न शामिल किए गए। सभी सदनों के प्रतिभागियों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। कड़े मुकाबले के बाद मंगल पांडे सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राधाकृष्ण सदन द्वितीय और कल्पना चावला सदन तृतीय स्थान पर रहा। विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का युग है, जिसमें सफलता पाने के लिए सामान्य ज्ञान और शिक्षा से निरंतर जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है। वहीं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता का सफल संचालन कैरियर काउन्सलर आर.डी. सक्सेना की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा, कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा, भावेश गोयल, धर्मवीर सहित विद्यालय के समस्त अध्यापकगण उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

महवा में 'मां जसोदा' वृद्धाश्रम का लोकार्पण, बुजुर्गों के सम्मान को मिली नई छत

बुजुर्गों की सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्तिः विधायक राजेन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । पाली रोड पर बसे महवा कस्बे में इन दिनों आस्था और सेवा का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने गांव-ढाणी की मिट्टी में संवेदना की नई खुशबू घोल दी। मां जसोदा सेवा संस्थान एवं चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित श्रीनाथ भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह और मां जसोदा वृद्धाश्रम उद्घाटन महोत्सव के तहत गुरुवार को निकली भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्ति रस में सराबोर कर दिया, तो शुक्रवार को हुए लोकार्पण समारोह ने समाज सेवा की मजबूत नींव रख दी। समारोह में मुख्य अतिथि राजेंद्र मीणा सहित विशिष्ट अतिथियों ने बंसल परिवार के साथ फीता काटकर वृद्धाश्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर राजेंद्र मीणा, गिरीश कुमार गर्ग, जगदीश अग्रवाल, समाजसेवी पूर्व सरपंच रामनिवास गोयल सहित

अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। ग्रामीण अंचल की सादगी और सामाजिक एकजुटता के बीच यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज के कर्तव्यबोध की खुली किताब बनकर सामने आया। मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र मीणा ने मंच से कहा कि बुजुर्गों की सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है और ऐसे सेवा केंद्र समाज की आत्मा होते हैं। उन्होंने मां जसोदा सेवा संस्थान के ट्रस्टी प्रहलाद कुमार बंसल एवं पुष्पा देवी बंसल सहित पूरे बंसल परिवार का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज के दौर में जहां रिश्तों में दूरी बढ़ रही है, वहां इस तरह के प्रयास समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने साफ कहा कि 'जिस घर में बुजुर्गों का मान होता है, वहीं सुख-समृद्धि का वास होता है', और यह वृद्धाश्रम उसी सोच का जीवंत उदाहरण है जहां सेवा ही सबसे बड़ा धर्म बनकर उभर रही है। सोनीपत से आए पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेंद्र मीणा ने इस पहल को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि भामाशाहों की भागीदारी से ऐसे सेवा संस्थानों का विस्तार समय की जरूरत है, ताकि कोई भी बुजुर्ग अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उपेक्षा का शिकार न हो। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संस्थान आने वाले समय में समाज में सेवा की नई अलख जगाएगा। संस्थान के ट्रस्टी प्रहलाद कुमार बंसल ने बताया कि मां जसोदा वृद्धाश्रम का उद्देश्य निराश्रित एवं जरूरतमंद बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक आश्रय देना है, जहां उन्हें अपनत्व और सुरक्षा का माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि यह आश्रम उन बुजुर्गों के लिए समर्पित है, जिनके जीवन के अंतिम पड़ाव में सहारे की जरूरत है, साथ ही यहां गौशाला की स्थापना कर सेवा के दायरे को और व्यापक किया गया है। दो दिवसीय इस आयोजन में भक्ति और सेवा का ऐसा संगम दिखा कि हर ओर यही चर्चा रही– 'जहां सेवा का दीप जलता है, वहां खुदा भी सर झुकाता है।' महवा की धरती पर यह पहल मानो यह संदेश दे गई कि समाज की असली ताकत उसके संस्कारों में बसती है, और जब सेवा संकल्प बन जाए तो हर राह आसान हो जाती है। समारोह में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विमल जैन, बलराम सत्संग मंडल के विष्णु सांवरिया, अपना घर सेवा समिति महवा के अध्यक्ष नेमीचंद खेडली वाले, प्रेमचंद गोयल, महवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष अवधेश अवस्थी, श्याम भक्त मंडल के राकेश केसरी, योगेंद्र गोयल, डैनी सोनी सहित बंसल परिवार के दिनेश चंद्र, मुकुट बिहारी, पुरुषोत्तम, गणेश, राजेश, पवन, राम, श्याम, सोनू, हेमंत, नितेश, मयंक, आर्यन, आयुष, कृश, चरित, मानस बंसल समेत सैकड़ों महिला-पुरुषों की उपस्थिति ने आयोजन को जन-आस्था का विराट रूप दे दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में ढीली जांच पर हाईकोर्ट ने केस डायरी सहित रिपोर्ट तलब के दिए आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर-मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मण्डावर थाना क्षेत्र में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर प्रकरण में जांच की धीमी रफ्तार और लापरवाही को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति उमाशंकर व्यास ने सुनवाई के दौरान 18 अप्रैल 2026 को स्पष्ट कहा कि मामले में पुलिस द्वारा सम्यक और प्रभावी अनुसंधान नहीं किया जा रहा है, जबकि यह प्रकरण अत्यंत संवेदनशील और गंभीर प्रकृति का है। अदालत ने पुलिस को निर्देशित किया कि आगामी पेशी पर केस डायरी सहित तथ्यात्मक रिपोर्ट न्यायालय में पेश की जाए तथा मामले को दो सप्ताह बाद पुनः सूचीबद्ध करने के आदेश दिए है।सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अभिषेक एवं प्रियदर्शिनी शर्मा ने अदालत को बताया कि नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसा जघन्य अपराध होने के बावजूद पुलिस जांच में गंभीर खामियां बरती जा रही हैं। पूर्व में कमजोर अनुसंधान के आधार पर नाबालिग से दुष्कर्म के नामजद आरोपियों को जमानत का लाभ मिल गया था, जिसे बाद में हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया, फिर भी जांच अधिकारी द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। मामले की पृष्ठभूमि में सामने आया कि 28 जनवरी 2026 को मण्डावर क्षेत्र में नाबालिग बालिका को तीन आरोपी जबरन गाड़ी में डालकर ले गये और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को महवा थाना क्षेत्र के पास छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर 30 जनवरी को पीडीता का मेडिकल परीक्षण कराया और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच महवा सीओ को सौंपी गई।

उक्त मामले में जांच के दौरान विवाद तब खड़ा हुआ जब जांच अधिकारी ने पीड़िता को बालिग मानते हुए अदालत में पेश किया, जिसके आधार पर ट्रायल कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 को आरोपी गहलोत पुत्र फुल्या और नरेश लुहारिया को जमानत दे दी। इस निर्णय से असंतुष्ट पीड़ित पक्ष ने उच्च न्यायालय जयपुर का दरवाजा खटखटाया, जहां अधिवक्ता रवि शर्मा ने दलील दी कि मामला पॉक्सो एक्ट के तहत अत्यंत गंभीर अपराध का है और जमानत देते समय पीड़िता पक्ष को समुचित सूचना भी नहीं दी गई, साथ ही जांच में कई प्रक्रियात्मक त्रुटियां सामने आईं। उच्च न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 483(3) के तहत दायर जमानत निरस्तीकरण याचिका स्वीकार करते हुए आरोपियों की जमानत रद्द कर दी थी और पुलिस को निष्पक्ष व तथ्यात्मक पुनः शीघ्र जांच के स्पष्ट निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अभी तक जांच अधिकारी द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष केस से जुड़े तथ्य प्रस्तुत नहीं करने पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिस को मामले में शीघ्र जांच पूर्ण कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

दो दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पालड़ीवाला एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सोसाइटी के तत्वावधान में सेठ मदनलाल पालड़ीवाला फाउंडेशन एवं पीएचडी परिवार कल्याण फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर ग्राम मानसी और खिरवा में आयोजित हुआ। यह जानकारी देते हुए संस्था के प्राचार्य राकेश मालवीय ने बताया कि पहले दिन गुरुवार को ग्राम मानासी में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 74 मरीजों का पंजीकरण कर प्राथमिक उपचार कर दवाएं दी। वहीं दूसरे दिन शुक्रवार को शिविर ग्राम खिरवा में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 47 मरीजों को मौसमी बीमारियों की जांच कर निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। चिकित्सा शिविर में डॉ. राकेश सैनी जनरल फिजिशियन की उपस्थिति में बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन आदि की जांच कर मरीजों का उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान पालड़ीवाला एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सोसाइटी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित व जरूरतमंद युवाओं एवं युवतियों के लिए स्वरोजगार एवं कौशल विकास हेतु पंजीकरण प्रक्रिया भी संचालित की गई।कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम मानासी से हुई। जहां संजय, मोहित, भगवान व दूसरे दिन खिरवा में अल्ताफ खान, महमूद खान,अब्दुल खान आदि ग्रामवासियों द्वारा चिकित्सा टीम एवं पालड़ीवाला सोसाइटी के प्रतिनिधियों के स्वागत से हुई। स्थानीय ग्रामीणों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

फर्श से अर्श पर पहुंचे लक्ष्मणगढ़ के रामगोपाल

दस वर्ष से कम उम्र में माता पिता का साया उठा, सड़कों पर बिताई रात व गलियों में चलाई रेहड़ी

संघर्ष के बाद सीकर में खड़ा कर दिया साम्राज्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । कहते हैं जिनका कोई सहारा नहीं होता, उन्हें संतों का स्नेह,पूर्वजों का आशीर्वाद व भगवान की भरपूर कृपा मिलती है।ऐसे व्यक्तित्व के धनी अपनी लगन, मेहनत और ईमानदारी के बलबूते पर आगे चलकर बुलंदियों को छूते हैं। ऐसी ही एक शख्सियत हैं जिन्होंने फर्श से अर्श पर पहुंचने के लिए बड़ा संघर्ष किया और बाद में जिला मुख्यालय पर व्यापार का साम्राज्य खड़ा कर दिया।जी हां हम बात कर रहे हैं 70 वर्षीय लक्ष्मनगढ के रामगोपाल राकसिया की। जिनके सिर से करीब दस वर्ष की उम्र में ही माता पिता का साया उठ गया। माता पिता के निधन के बाद करीब 6 दशक पूर्व सीकर आकर सड़कों पर रात बिताई और गली मौहल्ले में रेहड़ी चलाकर गुजर बसर किया। इस दौरान पैतृक व्यवसाय चूना भट्टा सरकार की भेंट चढ़ गया तथा विकास के नाम पर भट्टा हटा दिया गया जो इनके पिताजी ने शुरू किया था। सीकर की ओर रुख करने से पूर्व ही

पिताश्री सूरजमल सैनी का निधन हो गया तथा करीब अढ़ाई वर्ष बाद माताश्री का भी निधन हो गया ।ऐसे में बड़े भाई गौरीशंकर के साथ सब्जी बेचने का काम किया। दोनों भाईयों ने अपनी महेनत से सब्जी के कारोबार को बढ़ावा दिया था कि अचानक आग ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। आगजनी से सबकुछ गंवा चुके राकसिया बंधुओं के पास अचानक सुबह सुबह सिद्ध संत रतिनाथ महाराज पहुंचे। महाराजश्री ने सिर पर हाथ रखा तसल्ली दी और आशीर्वाद दिया कि आज के बाद यहां ठेले नहीं ट्रकों से सामान आयेगा। कुछ ऐसा ही चमत्कार हुआ धीरे-धीरे कारोबार फिर पटरी पर आया सब्जी से शुरू हुआ कारवां फ्रुट पर पहुंच गया तथा आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तमीलनाडू, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों से प्रतिदिन ट्रको से फ्रूट आने लगें जो शेखावाटी अंचल के प्रत्येक गांव और शहर तक में खपत होने लगें। वर्तमान में सीकर मंडी में लंबा चौड़ा कारोबार खड़ा कर अपना साम्राज्य कायम करने वाले राकसिया अब रामगोपाल केला गोदाम से जाने जाते हैं । व्यापार के दौरान एक बार ऐसा भी हुआ कि जबरदस्त घाटा हो गया तो गहरी निराशा मे चले गए तथा हताश होकर घर बैठ गये जब इस बात की जानकारी उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भंवरी देवी को लगी तो उन्होंने हिम्मत बंधाते हुए अपने गहने उनके सामने रखते हुए कहा उठो यह गहने बेच कर व्यापार को पुनः खड़ा करो। राकसिया ने न चाहते हुए भी पत्नी का कहना माना और गहने बेचकर कर व्यापार शुरू किया तो फिर से व्यापार भी खड़ा हुआ और खूद भी मजबूत बनें। मात्र पांचवी तक पढ़े लिखे रामगोपाल राकसिया ने शिक्षा का महत्व व्यापार के दौरान समझा तो सीकर में समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ जुड़कर महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी तरह लक्षमनगढ में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभाई। संघर्ष के दौरान मिले सहयोग को आज भी सम्मान के साथ याद करते हैं जिनमें लक्षमनगढ के रामचंद्र जाजोदिया, सीकर के ताराचंद सोमानी, श्रीगोपाल सोमानी व रतनलाल सोडाणी शामिल हैं। उस दौरान सुबह 4 बजे रात 11 बजे तक रेहड़ी से रेलवे स्टेशन व गली मौहल्लों में सब्जी बेचते थे। वहां से धर्मशाला में दुकान ली तथा बाद में सीकर मंडी में कारोबार शुरू किया तो फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चार भाइयों और तीन बहनों में दूसरे नंबर के रामगोपाल राकसिया के पुत्र गोविंद वर्तमान में कारोबार संभाल रहे हैं तथा स्वयं समाजसेवा में जूटे हुए। वर्तमान में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के संरक्षक, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर के उपाध्यक्ष व महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान जयपुर के संरक्षक सदस्य के रुप में अपनी सेवाएं देते हुए सेवा कार्यों में जूटे है ।

नीमराना के मोलडिया में कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग, 4 लोगों के मरने की आशंका; कलेक्टर-एसपी समेत पूरा प्रशासन मौके पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के गांव मोलडिया स्थित बिचपुरी रोड पर शुक्रवार शाम एक कबाड़ के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दूर-दूर तक धुएं का घना गुबार छा गया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। गोदाम में बड़ी मात्रा में कबाड़ और अन्य ज्वलनशील सामग्री भरी होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई, जिससे कुछ ही समय में हालात बेकाबू हो गए।

4 लोगों के मरने की आशंका, शव बरामद

आग लगने के कारणों का आधिकारिक पता नहीं चल पाया है। मौके पर मौजूद सूत्रों के अनुसार आग बुझाने के बाद गोदाम से 4 शव बरामद होने की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि प्रशासन की ओर से अभी मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कलेक्टर-एसपी मौके पर, बचाव कार्य जारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर, एसपी, डीएसपी और अग्निशमन विभाग के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। पूरा प्रशासन तत्परता से बचाव व राहत कार्य में जुटा है। आग पर काबू पाने के प्रयास लगातार जारी हैं। गोदाम में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने हेल्थ मंत्री को अपनी मांगों के लेकर ज्ञापन सौंपा

दमकल कर्मियों की लंबित न्यायोचित मांगो को लेकर पिछले 17 दिनों से नारनौल दमकल केंद्र पर बैठे हुए है

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की ओर से स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के अटेली स्थित कार्यालय में शुक्रवार को पीए विकास को दमकल कर्मियों के परिवारों को न्याय दिलाने तथा दमकल कर्मचारियों की न्यायोचित लंबित मांगों को त्वरित समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा। यूनियन के प्रधान प्रदीप कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका अटेली के सफाई कर्मियों ने दमकल कर्मियों की मांगों को अपना समर्थन दिया। प्रधान प्रदीप कुमार ने बताया कि 16 फरवरी 2026 को फरीदाबाद के मुजेसर के स्टील फैक्ट्री अग्निकांड में दमकली भविचंद शर्मा व रणबीर सिंह आग बुझाते समय शहीद हो गये थे। इस कांड में एक हरियाणा पुलिस कर्मी भी आग की चपेट में आ गया था। उसके परिवार को तो

सरकार ने आर्थिक सहायता के रूपए में एक करोड़ रुपए व परिवार के एक सदस्य को नियमित नौकरी प्रदान कर दी थी। लेकिन दमकल कर्मी के परिवार को न तो किसी प्रकार की आर्थिक सहायता मिली तथा न ही परिवार को किसकी प्रकार की नौकरी मिली। दमकल कर्मी के झुलसने पर किसी प्रकार की सरकारी उपचार सहायता भी नहीं मिली। दमकल परिवार को सहायता व दमकल कर्मियों की लंबित न्यायोचित मांगो को लेकर पिछले 17 दिनों से नारनौल दमकल केंद्र में धरने-प्रदर्शन पर बैठे हुए लेकिन उनकी मांगों को नहीं माना जा रहा है। उनकी प्रमुख मांगों में जोखिम भत्ता,10 वर्ष पूरा करने वाले कर्मियों को पक्का करवाने तथा फायर आपरेटर के पद पर समायोजित, रिस्क अलाउंस, वेतन में वृद्धि, समान काम समान वेतन लागू शामिल है। जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाता है, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में दमकल कर्मी अनिल कुमार, संजय कुमार, सफाई कर्मचारी मनीष भूरिया, मनोज कुमार आदि मौजूद रहें।

माजरा काठ में धूमधाम से हुआ दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का अनावरण, शोभायात्रा व भंडारे में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नगरपालिका क्षेत्र के माजरा काठ गांव में शुक्रवार को दक्षिणमुखी घाटी वाले हनुमान जी महाराज की भव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में पूरे गांव में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा से हुई शुरुआत, हवन के साथ हुआ अनावरण मंदिर समिति के सदस्य रुडमल चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान जी की प्रतिमा के नगर भ्रमण से हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने ढोल- नगाड़ों और जयकारों के साथ भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद मंदिर परिसर में

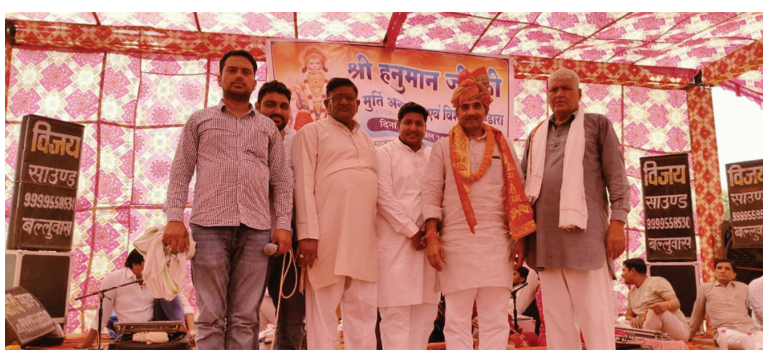

विधि-विधान से हवन-यज्ञ का आयोजन कर दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। गणमान्य अतिथि रहे मौजूद, दिनभर चला भंडारा अनावरण कार्यक्रम में समाजसेवी इंद्र यादव, नितिन सागवान और नीमराना के पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतिमा अनावरण के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया और दिनभर सहभोज चलता रहा, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे। गायक अरुण बोस, मनोज चौधरी, पूजा राव सहित अन्य कलाकारों ने धार्मिक एवं ऐतिहासिक भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर हनुमान जी महाराज मेला कमेटी के धर्मवीर थानेदार, हरमेश सिंह, रमेश, रामवतार पुजारी, मनीराम पंडित, मिंटू, राजवीर, विशेश्वर चौधरी, अशोक छिल्लर, अमित उर्फ ढिल्लन, अभय सिंह, राकेश, सरदार सिंह, वीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

टोहाना सीआईए की बड़ी कार्रवाई, हेरोइन(चिट्टा) सहित आरोपी काबू

8.07 ग्राम हेरोइन बरामद, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । अपराध जांच शाखा(सीआईए) टोहाना की टीम ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को हेरोइन सहित काबू कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि टीम एएसआई राजेश कुमार के नेतृत्व में गश्त एवं नशा तस्करी रोकथाम के लिए भुना बाईपास स्थित मोर होटल के पास मौजूद थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि विकास नामक युवक हेरोइन (चिट्टा) की सप्लाई के लिए टोहाना-रतिया रोड स्थित नए बाईपास टी-प्वाइंट पर खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर आरोपी को काबू किया।

आरोपी की पहचान विकास पुत्र सुभाष निवासी गांव किरोड़ी, तहसील बरवाला, जिला हिसार के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से एक पारदर्शी पाउच में हेरोइन बरामद हुई, जिसका कुल वजन 8.07 ग्राम पाया गया। बरामद हेरोइन को नियमानुसार सील कर कब्जा पुलिस में लिया गया तथा मोटरसाइकिल को भी बतौर सबूत कब्जे में लिया गया।

इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 112 दिनांक 23.04.2026 के तहत धारा 21बी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी तथा मामले की गहनता से जांच जारी है।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी सफलता: 18 साल से फरार चल रहा दहेज उत्पीड़न का उद्घोषित अपराधी काबू

थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने कैथल के गांव खरका से आरोपी सोना सिंह को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा भगोड़े और उद्घोषित अपराधियों (पीओ) की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लगभग 18 वर्षों से फरार चल रहे एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी सोना सिंह पुत्र अवतार सिंह, निवासी खरका (जिला कैथल) के खिलाफ वर्ष 2008 में दहेज उत्पीड़न और अमानत में ख्यानत के आरोपों के तहत मुकदमा नंबर 68, दिनांक 19.02.2008, धारा 498ए, 406, 34 आईपीएस (IPC) दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से ही आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए माननीय न्यायालय ने आरोपी सोना सिंह को दिनांक 16.09.2008 को उद्घोषित अपराधी (पीओ) घोषित कर दिया था।

वर्ष 2008 में माननीय न्यायालय ने किया था पीओ घोषित; साइबर सेल और गुप्तचरों की मदद से मिली कामयाबी

एसपी द्वारा पुराने मामलों में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए कड़े निर्देशों के बाद, थाना सदर पुलिस ने इस मामले में दोबारा सक्रियता दिखाई। पुलिस टीम ने साइबर सेल की तकनीकी सहायता और गुप्तचरों के विशेष इनपुट के आधार पर आरोपी का सुराग लगाया। कडी मेहनत और भरसक प्रयासों के बाद, पुलिस ने अंततः आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी सोना सिंह को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहाँ नियमानुसार आगामी कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पुलिस का कड़ा संदेश:थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि कानून की नजर से कोई भी अपराधी बच नहीं सकता, चाहे वह कितने भी वर्षों से फरार क्यों न हो। फतेहाबाद पुलिस ऐसे सभी उद्घोषित अपराधियों की सूची तैयार कर उन पर लगातार प्रहार कर रही है। पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ताकि न्याय प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकें।

फतेहाबाद पुलिस का नशा तस्करों पर प्रहार: नांगल क्षेत्र से 24.79 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित युवक काबू

बाहमणवाला पुलिस चौकी की टीम ने नांगल-हाकमवाला कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी कर आरोपी को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर रतिया की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को भारी मात्रा में हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सर्वजीत सिंह उर्फ सरबू पुत्र तेजा सिंह (निवासी गांव नंगल, फतेहाबाद) के रूप में हुई। थाना सदर रतिया प्रभारी निरिक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में गांव नंगल से

हाकमवाला कच्चे रास्ते पर गश्त और नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु तैनात थी। इसी दौरान नांगल की तरफ से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जो पुलिस पार्टी को देखकर अचानक पीछे मुड़कर खेतों की तरफ भागने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे साथी मुलाजिमों की मदद से काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 24.79 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। मामले में आरोपी के खिलाफ थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21बी, 61, 85 के तहत मुकदमा न. 79/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से यह पूछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही कर रही है। पुलिस की अपील:फतेहाबाद पुलिस नशा मुक्त जिला बनाने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे समाज को इस बुराई से बचाने के लिए पुलिस का सहयोग करें। यदि आपके आसपास कोई नशीले पदार्थ बेचता है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी।

मानवता की सच्ची सेवा है रक्तदान, समाज को नई दिशा दे रहा है निरंकारी मिशन: सुभाष बराला

निरंकारी फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में सुभाष बराला ने किया रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को स्थानीय निरंकारी भवन में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा आयोजित

विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस शिविर का औपचारिक शुभारंभ करते हुए सांसद ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और सेवा, समर्पण व मानवीय संवेदनाओं की इस जीवंत मिसाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकजुटता का संदेश भी प्रसारित करते हैं। शिविर के दौरान सांसद सुभाष बराला ने प्रत्येक रक्तदाता पास जाकर उनका कुशलक्षेम जाना और प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया रक्तदान वास्तव में मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। जो लोग अज्ञात व्यक्तियों के प्राण बचाने के लिए अपना रक्त दान करते हैं, वे समाज के असली नायक हैं। उनका यह योगदान समाज में प्रेम, दया और परोपकार की एक नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। 'रक्तदान महादान' के महत्व को बताते हुए श्री बराला ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल एक मानव द्वारा दूसरे मानव को दिया जाने वाला जीवन का उपहार है। यह दान केवल एक शारीरिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी टूटती हुई सांस को उम्मीद देने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस पुनीत कार्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि समय पर रक्त की उपलब्धता न होने के कारण किसी का जीवन संकट में न पड़े। सासंद ने संत निरंकारी मिशन की सामाजिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मिशन आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन ने वैश्विक स्तर पर मानवता को एक सूत्र में पिरोने और सेवा भाव को प्रत्येक अनुयायी के हृदय में स्थापित करने का जो कार्य किया है, वह अनुकरणीय है। सांसद ने आयोजन के लिए संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के स्थानीय पदाधिकारियों, चिकित्सकों की टीम और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना और अधिक सशक्त होगी। शिविर के समापन पर फाउंडेशन द्वारा सांसद सुभाष बराला को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

खेतड़ी कॉपर चिमनी को धरोहर घोषित करने की मांग, सांसद ओला को सौंपा ज्ञापन

कॉपर चिमनी का 1967 से जुड़ा है कॉपर कॉम्प्लेक्स का इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ीनगर के कॉपर प्रोजेक्ट की स्मेल्टर चिमनी को बचाने के लिए अब आमजन एकजुट हो गए हैं। ग्रामीणों ने झुंझुनूं सांसद बिजेंद्र सिंह ओला को ज्ञापन सौंपकर 114 मीटर ऊंची इस ऐतिहासिक चिमनी को औद्योगिक धरोहर घोषित करने की मांग की है। यह मांग हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा चिमनी को ढहाने के प्रस्ताव के बाद तेज हो गई है। राजस्थान के 'तांबा नगर' के नाम से पहचाने जाने वाले खेतड़ी की पहचान अब खतरे में बताई जा रही है। 'चिमनी बचाओ अभियान' के तहत पूरे क्षेत्र के लोग इस धरोहर को बचाने के लिए एकजुट हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह चिमनी क्षेत्र के गौरवशाली औद्योगिक इतिहास की आखिरी गवाह है और इसे बचाना जरूरी है।

1967 रखी गई थी कॉम्प्लेक्स की नींव

खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स की नींव वर्ष 1967 में रखी गई थी, जब देश तांबा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा था। 1970 के दशक में बनी यह विशाल चिमनी लंबे समय तक क्षेत्र की आर्थिक प्रगति का केंद्र रही। वर्तमान में कॉम्प्लेक्स की कई इकाइयां बंद हो चुकी हैं और टाउनशिप सूनी पड़ती जा रही है, ऐसे में यह चिमनी इतिहास की प्रतीक बनकर खड़ी है।

जनप्रतिनिधियों ने सांसद से की मुलाकात

खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद बिजेंद्र सिंह ओला से मुलाकात कर उन्हें स्थिति से अवगत कराया। प्रधान गुर्जर ने कहा कि यह चिमनी केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामूहिक स्मृतियों का हिस्सा है और इसे तोड़ना इतिहास को मिटाने जैसा होगा।जनभावनाओं को देखते हुए सांसद ने जल्द ही केंद्रीय खान मंत्री को पत्र लिखकर चिमनी को ढहाने पर रोक लगाने और इसे औद्योगिक धरोहर घोषित करवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान 'चिमनी बचाओ अभियान' के संयोजक रमेश पांडे, नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना अध्यक्ष डीपी सैनी, एससी प्रकोष्ठ बुहाना अध्यक्ष बाबूलाल कालोडिया, प्रभारी चुनीलाल चनेजा, सरपंच शंकर बिलवा सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में चिमनी को संरक्षित करने की मांग उठाई।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हेरोइन तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश

आरोपी यश के बाद उत्तर प्रदेश का मुख्य सप्लायर भी काबू

एन्टी नारकोटिक सैल (ए एन सी) ने यूपी के कासगंज से नशा सप्लाई करने वाले आरोपी नईम को दबोचा

नशे की चैन तोड़ने के लिए फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर आईपीएस का अंतरराज्यीय प्रहार; दोनों आरोपी सलाखों के पीछे

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एन्टी नारकोटिक सैल (एएनसी) फतेहाबाद को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महाराजा अग्रसैन स्कूल वाली गली से पकड़ी गई हेरोइन के मामले में गहनता से जांच करते हुए उत्तर प्रदेश से जुड़े मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दोनो आरोपियों की पहचान यश पुत्र योगेश (निवासी भोडियाखेड़ा, फतेहाबाद) व नईम पुत्र निजामुद्दीन (निवासी जोहरी सहावर, कासगंज, यूपी) के रूप में हुई है। एन्टी नारकोटिक सैल प्रभारी निरिक्षक साधुराम ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम ने महाराजा अग्रसैन स्कूल वाली गली (खैराती रोड) में नाकाबंदी कर यश पुत्र योगेश (निवासी भोडियाखेड़ा, फतेहाबाद) को 6.74 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार

किया था। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में NDPS एक्ट के तहत मुकदमा नंबर 176/2026 दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी यश से पूछताछ की, तो उसने नशे की इस सप्लाई चैन के मुख्य स्रोत का खुलासा किया। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुख्य सप्लायर नईम पुत्र निजामुद्दीन (निवासी जोहरी सहावर, कासगंज, यूपी) को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। मामले में दोनो आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । मामले की जाँच जारी है ।

पुलिस की अपील:

फतेहाबाद पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे नशा मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें। यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशीले पदार्थ बेचता या बाहर से लाकर सप्लाई करता है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपकी सतर्कता ही समाज को सुरक्षित रखेगी।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

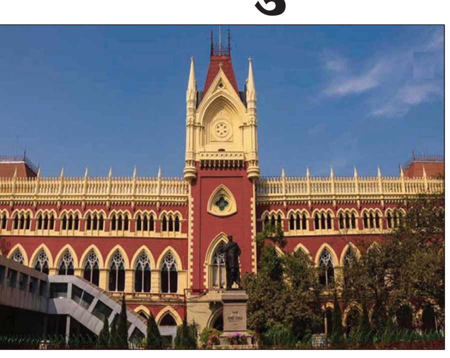

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

-शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

-सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलामों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

उत्तराखंड में तेंदुओं का आतंक, खेत में काम कर रही महिला पर हमला गई जान

-घटना से गुस्साए लोगों ने मजिस्ट्रेट और डीएफओ का घेराव कर किया हंगामा

पौड़ी(एजेंसी)। उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को नैनीताल के ज्योली गांव में महिला की मौत के दूसरे दिन पौड़ी में दो गुलदारों (तेंदुओं) ने हमला कर बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया।हमला सुबह करीब साढ़े 8 बजे उस समय हुआ जब वह खेत में घास काट रही थीं। घटना से गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे संयुक्त मजिस्ट्रेट और प्रभारी डीएफओ गढ़वाल का घेराव कर हंगामा कर दिया। बाद में वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने के साथ ही मौके पर 20 सदस्यीय वन कर्मियों की टीम और मशहूर शिकारी को तैनात कर दिया है।प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में इस साल अब तक यह 23वीं मौत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना ग्राम पंचायत बुढ़ाकोट स्थित बमठी गांव की है। 70 साल सीता देवी खंडूड़ी पर पहले गुलदार ने हमला किया।दराती से वार कर जैसे ही उन्होंने बचने का प्रयास किया, अचानक दूसरा गुलदार भी झपट पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार सीता देवी को झाड़ियों के अंदर ले गया।ग्रामीणों के काफी शोर मचाने पर दोनों गुलदार जंगल में भाग गए। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

भीषण गर्मी के कारण 18 दिन में इस राज्य के लोग गटक गए अरबों रुपये की बीयर

बेंगलुरु (एजेंसी)।कर्नाटक में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है।इससे यहां पेय पदार्थों की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन, गर्मी भगाने को कर्नाटक के लोग जिस रफ्तार से बीयर पी रहे हैं, उस रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है।इस रफ्तार की वजह से राज्य में बीयर की बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं।महज 18 दिनों के भीतर ही लोग अरबों रुपये की बीयर पी गए हैं। कर्नाटक में इस साल बीयर की मांग में 30 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, बीयर की दुकानों पर कतारें लंबी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्रेज सिर्फ बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, राज्य के ग्रामीण इलाकों में भी बीयर की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में इस साल बीयर की बिक्री हैरान करने वाली है। इस साल अप्रैल के पहले 18 दिनों (1-18 अप्रैल) में 568.59 करोड़ की बीयर बिकी।जबकि पिछले साल इसी अवधि में 463.42 करोड़ की बियर बिकी। बीयर की बोतलों की गिनती के मुताबिक इस साल महज 18 दिनों में 28.35 लाख केस बीयर बेची जा चुकी है।पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 21.77 लाख केस था।यानी इस साल लोगों ने पिछले साल के मुकाबले 6.58 लाख केस ज्यादा खाली कर दिए हैं।कर्नाटक सरकार और आबकारी विभाग की झोली में इस साल 105.17 करोड़ ज्यादा आए है।

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, न कि राजनेताओं से मांगी है। सांसद यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई इसतरह के 'गंदे राजनेताओं' के खिलाफ है जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शामिल महिलाओं पर गिद्धों की नजर नहीं पड़ने दूंगा। यादव ने विवाद के दौरान एनडीए नेताओं द्वारा उनकी पत्नी और बेटी का जिक्र करने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की मां या बेटी को गाली नहीं दी, फिर भी मेरी पत्नी और बेटी के बारे में उन लोगों ने टिप्पणियां कीं जिन्हें मैं अपनी बेटियों की तरह मानता हूं और जिनके पिता साथी सांसद हैं।

ईरानी सेना के कब्जे में भारतीय जहाज, श्रीगंगानगर के युवक का 20 दिन से पता नहीं

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर की पॉश कॉलोनी में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल, कॉलोनी निवासी मर्चेंट नेवी के सेकंड ऑफिसर संजय माहर (38) उस कंटेनर शिप पर सवार हैं, जिसे लेकर सूचना मिल रही है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। संजय के भाई सुभाष माहर ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम 'एपामिनोंडेस' है, दुबई से रवाना होकर मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण जहाज को रोकना पड़ा। तभी ईरानी सेना ने जहाज की घेराबंदी कर ली। परिजनों के अनुसार, करीब 30 घंटे पहले जब जहाज ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब ईरान की ओर से फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही संजय सहित सभी क्रू मेंबर्स जहाज के भीतर सुरक्षित केबिनों में छिप गए। संजय ने संपर्क टूटने से पहले एक वीडियो भी भेजा था, जिसमें जहाज के अंदर का तनावपूर्ण माहौल साफ दिख रहा है। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर सवार हैं, जिसमें भारत के अलावा फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे संजय का अपने परिवार से संपर्क पूरी तरह कट गया है। संजय शादीशुदा हैं और उनके छोटे बच्चे हैं, जो अपने पिता की सलामती की दुआ कर रहे हैं। इस संकट पर स्थानीय विधायक जयदीप बिहाणी ने मामले की गंभीरता को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान सरकार के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित कर सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज , हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज वहीं सनराइजर्स के पास हर्ष दुबे, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज हैं।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान और क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक और हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे।

प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए थे, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

जयपुर के इस मैदान पर अधिकतर मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें जीतती रही हैं ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। अब तक दोनो बीच 22 मुकाबले हुए हैं जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 9 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स = यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे।

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान), हेनरिक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, क्लासेन, साहिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवांग कुमार, हर्ष दुबे, साकिब हुसैन प्रफुल्ल हिंगे। इम्पैक्ट प्लेयर: ईशान मलिंगा।

53 के हुए सचिन को मिली बधाईयां

-हजारों करोड़ की संपत्ति के हैं मालिक

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज 53 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत से भी बधाईयां मिल रही हैं। सचिन का क्रिकेट करियर इतना सुनहरा रहा है कि उनको क्रिकेट का भगवान तक कहा जाता है जिस प्रकार की लोकप्रियता उन्हें हासिल हुई है वैसी किसी अन्य क्रिकेटर को नहीं मिली है। अपने दो दशक से अधिक के क्रिकेट करियर में सचिन ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति भी अर्जित की है।

उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से करीब 40 साल की उम्र तक भारतीय क्रिकेट को सेवाएं दीं। इतना लंबा करियर भारत ही नहीं विश्व में किसी क्रिकेटर का नहीं रहा। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जिसे तोड़ना असंभव नजर आता है। 200 टेस्ट मैचों में 15921 रन और 463 वनडे मैचों में 18426 रन उनके नाम दर्ज हैं। वनडे में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव भी सचिन के ही नाम है।

सचिन का मुंबई के बांद्रा (वेस्ट) में पेरी क्रॉस रोड पर एक बेहद आलीशान बंगला है। लगभग 6000 स्क्वायर फीट में फैला यह तीन मंजिला घर करीब 80 से 100 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा, उनका केरल में एक वॉटरफ्रंट बंगला और लंदन में भी संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों रुपये की लक्जरी कारें भी हैं।

इसमें बीएमडब्ल्यू , फरारी और पोर्श जैसी गाड़ियां रही हैं।

उनकी ब्रांड वैल्यू रिटायरमेंट के इतने सालों बाद भी कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 1350 करोड़ से 1500 करोड़ रुपए के बीच है। रिटायरमेंट के बाद उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट, विभिन्न व्यवसायों में निवेश और अन्य बिजनेस वेंचर हैं। सचिन आज भी अपोलो टायर्स, आईटीसी और ल्यूमिनस जैसे बड़े ब्रांड्स का चेहरा हैं। इसके अलावा वह उनका इंडियन सुपर लीग की टीम में और कई स्टार्टअप्स में भी निवेश है।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

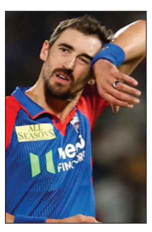

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी।वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है और उनका नेट रन रेट -0.821 है, जो उनकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल बना सकता है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिक में नंबर एक चल रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान हो जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेक तालिक में नंबर एक स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली केवल तीन मैच जीतने के साथ ही छठे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भी पंजाब जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिल्ली से काफी अच्छी रही है। करना होगा।

वहीं पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के कारण दिल्लीका मनोबल भी गिरा हुआ है। अगर उसे जीत के साथ वापसी करनी है तो उसके सभी लिए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इस सत्र में दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोर उसकी बल्लेबाजी रही है। उसकी ओर से केवल केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ही अब तक रन बना पाये हैं। पूरी टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने में विफल रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उनकी रणनीति भी असफल रही है।

उनके कुछ फैसले भी गलत साबित हुए हैं जो टीम की हार का कारण बन हैं। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी भी खराब रहा है। जिससे भी उसे नुकसान हुआ है।

उसके लिए राहत की बात गेंदबाजी ठीक रहना है हालांकि पिछले कुछ समय से जिस प्रकार से पंजाब के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए उसके बल्लेबाजों को और अधिक बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सात विकेट पर 254 रनों का इस सत्र का सबसे अधिक स्कोर बनाया था। ऐसे में उसे रोकना आसान नहीं लगता। श्रेयस सहित उसके उसके बल्लेबाजों ने इस सत्र में काफी रन बनाये है। इस मैच में हालांकि टीम को कूपर कोनोली की कमी खेलेगी। कूपर फिट नहीं होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। टीम के पास अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं।

वहीं आंकड़ों पर जायें तो दोनो के बीच 35 मुकाबले हुए है जिसमें से दोनो ने ही 17-17 मुकाबले जीते हैं वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

मैड्रिड ओपन : वालेजो ने दिमित्रोव को चौंकाया, सितसिपास बाल-बाल बचे

मैड्रिड ।पैराग्वे के क्वालिफायर अडोल्फो डेनियल वालेजो ने गुरुवार को मैड्रिड ओपन में अपने एटीपी मास्टर्स 1000 डेब्यू पर जीत हासिल की। उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। 21 साल के वालेजो मास्टर्स 1000 में मैच जीतने वाले पैराग्वे के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से, वह रामोन डेलगाडो के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। वालेजो का अगला मुकाबला लर्नर टिएन से होगा। वालेजो ने जीत के बाद कहा, 'यह अविश्वसनीय है। यह किसी फिल्म जैसा लग रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। मैं (दिमित्रोव) को और उनके सभी हाइलाइट्स को देखा करता था। आज उन्होंने मेरे खिलाफ जितने भी पॉइंट्स बनाए, उन्हें मैं टीवी पर देखा करता था। अब उनके खिलाफ खेलना, 'वाह' । मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, लेकिन मैं बस इसका मज़ा लेने की कोशिश कर रहा हूं।'

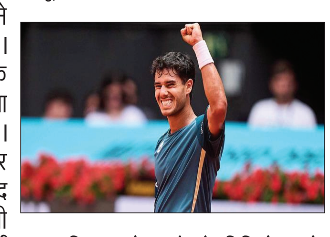

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है। सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है। पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा। इससे टीम लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव में आ गयी। उन्होंने माना है कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। पांड्या ने आगे कहा, हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। लक्ष्य का पीछा करने के लिए लय की आवश्यकता होती है पर हम उसे हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा, अब हमें कुछ दिनों का समय मिलेगा सोचने के लिए कि हम क्या बदलाव कर सकते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

कोच जयवर्धने बोले, मुम्बई इंडियंस के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर

-बचे हुए मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा भी आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब विजेता टीम में शामिल थे। मुंबई इंडियंस को गुरुवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने यादव सात मैचों में 156 रन ही बनाये हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट और तिलक वर्मा ने 181 रन रन बनाये हैं। जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी स्वयं भी थकान को कारण मानेंगे। साथ ही कहा कि हमें जीत केलिए लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

पीएसएल में शुभंकर के बीच टकराव का तमाशा कराकर मजाक का पात्र बना पाकिस्तान

लाहौर ।पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी दौरान कुछ अलग करने के प्रयास में अपनी एक अजीब हरकत के कारण ये लीग मजाक का पात्र बनकर रही गयी है। यहां लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए 35वें मैच से पहले दोनों टीमों के शुभंकर पस में टकरा गये गए। जिसको लेकर पाकिस्तान की हंसी उड़ रही है। गद्दाफी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में टॉस के लिए जब दोनों टीमों के कप्तान शाहीन अफरीदी और डेविड वॉर्नर प्रजेंटर रमीज राजा के साथ मैदान पर आए, तो उनके साथ उनकी टीमों के शुभंकर भी थे। टॉस से ठीक पहले, कैमरे के सामने ही दोनों शुभंकर एक-दूसरे से टकरा गये और उनके बीच भिड़ंत का नाटक हुआ। ये सब मनोरंजन के लिए मजाकिया अंदाज में किया गया था पर इसे देखकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर और शाहीन अफरीदी हैरान हो गये। इसके बाद ये माललामा तत्काल ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसमें कई लोगों ने इसे पीएसएल की छवि के लिए खराब बताया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पीएसएल पहले ही कई मुश्किलों का सामना कर रही है। लीग की बदहाली का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अधिकांश मैच खाली स्टेडियमों में खेले जा रहे हैं। इसके पीछे मुख्य वजह देश में गहराता आर्थिक संकट और ईंधन की कमी है। इसी कारण आयोजक प्रशंसकें का मनोरंजन करने के लिए अनोखे तरीके अपना रहे हैं।

बेथेल को लेकर कुक के बयान से सहमत नहीं पीटरसन

लंदन ।इंग्लैंड क्रिकेट के दो दिग्गज, पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक और केविन पीटरसन युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल के आईपीएल खेलने को लेकर आमने-सामने आ गये हैं। जहां कुक का मानना है कि बेथेल को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिये। वहीं पीटरसन इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि बेथेल को काउंटी से ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर इस लीग में खेलने से अनुभव मिलेगा। ऐसे में उसे आईपीएल में ही बने रहना चाहिये। वहीं इससे पहले कुक ने कहा था कि आरसीबी टीम में शामिली बेथेल को आईपीएल में अबतक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही। ऐसे में उनका बैंच पर बैठे रहना अच्छा नहीं है। इससे बेहतर तो ये रहेगा कि वह इंग्लैंड लौटकर काउंटी में खेलें। कुक ने कहा, बेटेल आईपीएल में बैठा हुआ है और कुछ कर नहीं रहा, ऐसे में उसे काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बेथेल इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना होगा और वारविकशायर के लिए रन बनाकर अपनी क्षमता साबित करनी होगी। कुक के अनुसार, किसी भी क्रिकेटर के लिए मैच अभ्यास जरुरी है और इसे बिना खेले हासिल नहीं किया जा सकता है। बेथेल को इस सत्र में अब तक आरसीबी की अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला है। टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में फिल साल्ट, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही उतर रही है। ऐसे में बेथेल लगातार बेंच पर बैठे हैं और उन्हें मैदान पर बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि उनके बाहर बैठने पर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि कुक की बात गलत है। पीटरसन के अनुसार कुक को आईपीएल का कोई अनुभ नहीं है और उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि यहां क्या होता है। साथ ही कहा कि आईपीएल में विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, उनसे सीखना और बड़े टूर्नामेंट के माहौल का अनुभव मिलत है जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुक की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि बेथेल आईपीएल में ही बने रहें। पीटरसन ने अपने बयान में जैकब बेथेल को सीधा संदेश दिया, 卐जैकब, भारत में ही रहो। भले ही तुम खेल नहीं रहे हो पर तुम सीख रहे हो और इससे तुम बेहतर खिलाड़ी बनोगे।卐 साथ ही कहा कि इस अनुभव का लाभ उन्हें भविष्य में मिलेगा।

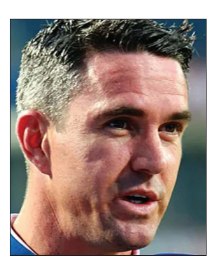

संजू सैमसन ने खोला राज, इस चीज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक बनाने के लिए प्रेरित किया

मुंबई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बताया कि कट्टर प्रतिद्वंद्वी मुंबई इंडियंस के खिलाफ रन बनाने की ऊंची उम्मीदों और दबाव ने उन्हें अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने और वानखेड़े स्टेडियम में मैच जिताने वाला शतक बनाने के लिए प्रेरित किया। सैमसन की 54 गेंदों पर शानदार 101 रनों की पारी, जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे, ने CSK को 207/6 के कुल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में MI नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19 ओवरों में सिर्फ 104 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

IPL द्वारा X पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, 'IPL में यह एक बहुत बड़ा मौका होता है; हर कोई CSK और मेरे खेल पर नजर रखता है, और मैं पहली बार इसका हिस्सा बना हूं। इसलिए मैं माहौल को बनते हुए देख सकता था, मैं उस तीव्रता को महसूस कर सकता था और ठीक उसी समय मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी सामने आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे चुनौतियां पसंद हैं, मुझे तब अच्छा लगता है जब हालात मुश्किल होते हैं। इसलिए मैंने आज के खेल का सचमुच आनंद लिया। मुझे लगता है कि विकेट वानखेड़े के सामान्य विकेट जैसा नहीं था; गेंद स्विंग हो रही थी और बुमराह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। सच कहूं तो यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी मुकाबला था। इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैंने टीम की जीत में योगदान दिया और आज हमें जीत मिली।'

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद CSK ने हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। सैमसन ने 101 रनों की शानदार नाबाद पारी खेलकर टीम की अगुवाई की जबकि डेवाल्ड ब्रेविस (21) और कार्तिक शर्मा (18) जैसे खिलाड़ियों ने भी उपयोगी रन बनाकर योगदान दिया। जवाब में MI की शुरुआत ही खराब रही और अंततः वे 19 ओवरों में 104 रनों पर ऑल आउट हो गए। गेंदबाजी में अकील हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद ने उन्हें अहम सहयोग दिया।

सैमसन के अनुसार हर खिलाड़ी के छोटे-छोटे योगदान ने भी इस मैच के परिणाम में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम में जितने युवा खिलाड़ी हैं, मैं निश्चित रूप से उन सभी खिलाड़ियों को श्रेय देना चाहूंगा जिन्होंने योगदान दिया है। बात सिर्फ 100 रन या 4 विकेट की नहीं है, मुझे लगता है कि बल्लेबाजों और गेंदबाजों के छोटे-छोटे योगदान भी इस बड़े मैच में बहुत मायने रखते हैं। इसलिए इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हम इस लय को बनाए रखना चाहेंगे और अगले मैच में भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।'

इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने उस भावना के बारे में भी बताया जब वह शतक के करीब पहुंचे थे और आखिरी ओवर से पहले अकील हुसैन के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया। उस ओवर में सैमसन ने सभी गेंदों का सामना किया और कृष्ण भगत के खिलाफ 16 रन बनाकर इस सीजन का अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने शतक के करीब पहुंचते हैं, तो आप निश्चित रूप से शतक बनाना चाहते हैं। लेकिन मैंने हमेशा टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि मेरी शुरुआत बहुत अच्छी रही। आम तौर पर विकेट पर जमने के बाद मैं थोड़ा और आक्रामक खेलना पसंद करता हूं, लेकिन विकेट लगातार गिर रहे थे। इसलिए मैं साझेदारी बनाना चाहता था और आखिर तक क्रीज पर टिके रहना चाहता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'तो किस्मत से मुझे एक बड़ा ओवर मिला और मैं शतक के करीब पहुंच गया। उस ओवर से पहले मेरी और अकील की बातचीत हुई थी कि मैं उस ओवर की सभी छह गेंदों का सामना करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम वहां से ज्यादा से ज्यादा रन बटोरना चाह रहे थे और अकील को भी ऐसा ही लगा। इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि शतक बनाना हमेशा ही बहुत खास एहसास होता है और जब यह MI के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में बने, तो यह और भी ज्यादा खास एहसास होता है।'

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ ।आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

जूनियर एनटीआर फैंस के लिए डबल सेलिब्रेशन एनटीआरनील की नई रिलीज डेट आउट

ए एनटीआरनील 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है. मनोरंजन की दुनिया की दो बड़ी ताकतें मैन ऑफ द मासेज जूनियर एनटीआर और केजीएफ व सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील जब एक साथ आ रहे हैं, तो यह तय है कि दर्शकों को पर्दे पर एक अनोखा और भव्य सिनेमाई अनुभव देखने को मिलेगा. जब से एनटीआरनील का ऐलान हुआ है, यह सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है. भारतीय सिनेमा की दो सबसे बड़ी ताकतों, जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील का साथ आना ही इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों की कतार में खड़ा कर देता है. बढ़ते उत्साह के बीच, मेकर्स ने एक बेहद रोमांचक पोस्टर जारी किया है और फिल्म की पहली झलक को लेकर बड़ी घोषणा की है, जो एनटीआर के जन्मदिन पर 20 मई को रिलीज होगी. पोस्टर में एनटीआर का स्टाइल और पावरफुल अवतार फिल्म को लेकर बनी चर्चा को और भी बढ़ा रहा है. 20 मई को आने वाली पहली झलक के साथ फिल्म का क्रेज सातवें आसमान पर पहुंच गया है. एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज होने वाली यह झलक उन लाखों फैंस के लिए एक खास तोहफा होगी जो उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

इसके अलावा, इस फिल्म के लिए एनटीआर के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है. उनके इस नए लुक की तस्वीरें पहले ही वायरल हो चुकी हैं और फैंस के बीच तहलका मचा रही हैं. उन्हें इस तरह के लुक में पहले कभी नहीं देखा गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. एनटीआर नील को प्रशांत नील की अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्म बताया जा रहा है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है. केजीएफ और सालार जैसी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद, फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि प्रशांत नील अब क्या नया लेकर आएंगे. मैन ऑफ द मासेज जूनियर एनटीआर के साथ उनका यह तालमेल भारतीय सिनेमा के सबसे ताकतवर मेल में से एक माना जा रहा है. फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त हलचल है और फैंस हर छोटे अपडेट का इंतजार कर रहे हैं. दो इतने बड़े नामों के साथ आने से यह फिल्म साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है और हर कोई यह देखने को उत्सुक है कि यह मेगा कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर क्या कमाल दिखाता है. प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एनटीआर लीड रोल में हैं. फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया जा रहा है.

20 मई को आएगी फिल्म से पहली झलक

दादी की शादी का पोस्टर रिलीज; पहली बार बेटी रिद्धिमा के साथ नजर आएंगी नीतू कपूर

दादी की शादी में नीतू कपूर और कपिल शर्मा सहित कई सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म में नीतू अपनी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ किसी फिल्म में पहली बार नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन ने किया है। जाने कब रिलीज होगी दादी की शादी। निर्माताओं ने आज दादी की शादी का पहला पोस्टर लुक शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, दादी इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं और सारे नियम तोड़ रही हैं। क्या परिवार उनके साथ है या उनके खिलाफ? दादी की शादी में, जनरेशन डी से जनरेशन जेड तक सभी आमंत्रित हैं। दादी की शादी में कपिल शर्मा, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, दक्षिण के सुपरस्टार सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब सहित कई सहायक कलाकार हैं। दादी की शादी एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग शिमला में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म का सबसे रोमांचक हिस्सा इसका क्लाइमेक्स सीक्वेंस है। फिल्म के निर्देशक मोहन ने बताया कि एंड-क्रेडिट सॉन्ग में शिमला और आसपास के कई स्कूलों के 700 बच्चे, पूरी कास्ट के साथ नजर आएंगे। उन्होंने कहा, मैं फाइनल शूट के लिए पूरी कास्ट को आमंत्रित करूंगा, जो गोल्डन टोबैको फैक्ट्री या फिल्म सिटी में हो सकता है।

कांतारा अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत का मिस्ट्री वाला वैनिटी पोस्ट, अगला कदम क्या है, सब कंफ्यूज़ !

अ अपने करियर के दमदार फेज़ के बाद, रुक्मिणी वसंत ने एक ऐसा क्रिप्टिक सोशल मीडिया पोस्ट डाला है कि इंडस्ट्री में हलचल मच गई है-थोड़ा सा टीज़, लेकिन असली राज़ पूरी तरह सीक्रेट! हाल ही में एक्टर ने अपनी वैनिटी से एक शांत सा, बिहाइंड-द-सीन्स झलक शेयर की, जो साफ-साफ तो कुछ नहीं बताती, लेकिन सेट पर होने का हिंट ज़रूर देती है। फोटो खुद में सिंपल थी, लेकिन टाइमिंग ऐसी कि फैंस और इंडस्ट्री वाले दोनों ही डिटेक्टिव मोड में चले गए—आखिर ये किस प्रोजेक्ट की शूटिंग चल रही है? रुक्मिणी की ये उड़ान उनके हालिया परफॉर्मेंस की जबरदस्त तारीफ के बाद और तेज़ हो गई है, जिसे उनके करियर का टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। स्क्रीन पर उनकी पकड़ ने उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे एक्साइटिंग टैलेंट्स में शामिल कर दिया है। उनके सबसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में से एक है टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स, जिसमें वो यश के साथ नज़र आएंगी और डायरेक्शन है गीतू मोहनदास का। फिल्म में रुक्मिणी 'मेलिसा का किरदार निभा रही हैं—एक ऐसा कैरेक्टर जो रहस्यमयी है, इमोशनल लेयर्स से भरा है और कहानी के डार्क, फेयरीटेल जैसे वर्ल्ड का अहम हिस्सा है। फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा, वो जूनियर एनटीआर के साथ एनटीआरनील में भी दिखाई देंगी, जो प्रशांत नील द्वारा डायरेक्टेड एक एक्शन ड्रामा है। इस पीरियड फिल्म में उनका रोल फीमेल लीड के तौर पर कन्फर्म हो चुका है। कन्नड़ सिनेमा में भी रुक्मिणी ने केवीएन प्रोडक्शन्स के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म साइन की है, जिसे हेमंत एम. राव डायरेक्ट कर रहे हैं—ये उनकी तीसरी कोलैबोरेशन होगी 'सप्ता सागरदाचे एलो के बाद। फिलहाल, रुक्मिणी ने अपने पत्ते छुपा कर रखे हैं—बस एक छोटी सी वैनिटी झलक से सबको सस्पेंस में डाल दिया हैज् और अब सबकी नज़र बस इसी पर है—आगे क्या?

धनुष और मृणाल ठाकुर की फिल्म में बनेगी जोड़ी? ये जानकारी कर देगी खुश

सुपरस्टार धनुष फिलहाल आगामी पैन-इंडिया फिल्म कारा को लेकर चर्चा में हैं, जो 30 अप्रैल को रिलीज होगी। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसमें अभिनेता का एक्शन अवतार देखकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। अब ताजा जानकारी फैंस की उत्सुकता को दोगुनी कर देगी, क्योंकि खबर है कि धनुष ने अपनी अगली फिल्म के लिए कहानी तय कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस महिला प्रधान केंद्रित फिल्म में मृणाल ठाकुर हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में मृणाल मुख्य

अभिनेत्री का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रही हैं। प्रोडक्शन टीम ने कहानी को महिला प्रधान बताया है और कहा कि इसमें नायिका के लिए एक दमदार भूमिका है। खबरों के अनुसार, टीम और मृणाल के बीच बातचीत आखिरी चरण में है, जल्द ही आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। अगर बातचीत बन जाती है, तो पहली बार धनुष और मृणाल किसी फिल्म में साथ-साथ काम करते नजर आएंगे।

धनुष और मृणाल के रिश्ते की अफवाहों ने लोगों का खूब ध्यान खींचा है। रिपोर्ट्स में यह तक दावा हुआ कि दोनों फरवरी, 2026 में शादी करने वाले हैं, लेकिन बाद में खबरें गलत साबित हुईं। अब जब दोनों की फिल्म से जुड़ी जनकारी सामने आई है, तो एक बार फिर लोगों की नजरें उन पर टिक गई हैं। बता दें, मृणाल को वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्का होना है (22 मई रिलीज) में देखा जाएगा।

अब आयुष्मान खुराना बनेंगे राजश्री के नए प्रेम शरवरी संग ये प्रेम मोल लिया में करेंगे रोमांस

रा राजश्री प्रोडक्शन हाउस ने अपनी नए प्रोजेक्ट का एलान किया है. 2022 में फिल्म ऊंचाई के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद सूरज बड़जात्या एक बार फिर एक बेहतरीन फैमिली एंटरटेनिंग फिल्म लेकर दर्शकों के बीच लौट आए हैं. उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के टाइटल के साथ, रिलीज डेट और लीड स्टार के नाम से भी पर्दा हटाया है. राजश्री का चहेता किरदार प्रेम 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है. राजश्री प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उनके आगामी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी गई है. राजश्री ने अपने नोट में लिखा है, हमारे पास एक अनाउंसमेंट है. इस नवंबर, राजश्री प्रोडक्शंस लिमिटेड, महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से, बड़े पर्दे पर एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म लेकर आ रहा है. सूरज आर. बड़जात्या की निर्देशित इस फिल्म का टाइटल है - ये प्रेम मोल लिया. इसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिका में हैं. यह हिमेश रेशमिया का एक म्यूजिकल है. थिएटर में 27 नवंबर 2026 को. तारीख याद रखें. 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया भी एक बार फिर साथ आ रहे हैं. उनकी आखिरी फिल्म प्रेम रतन धन पायो थी. अब जब हिमेश रेशमिया ये प्रेम मोल लिया के लिए म्यूजिक तैयार कर रहे हैं, तो एक चार्ट-टॉपिंग गाने की उम्मीदें काफी बढ़ जाती है. बता दें, सूरज बड़जात्या की फिल्मों में संगीत एक बेहद अहम हिस्सा होता है. आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का किरदार निभाते दिखेंगे. आयुष्मान ने प्रेम की सादगी और मासूम शरारतों को, जो प्रेम की पहचान हैं, उनके साथ जोड़ी में शरवरी हैं. यह उनकी पहली ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन होगा. वह अपनी परफॉर्मेंस में राजश्री हीरोइनों की खूबसूरती, हिम्मत और दम दिखाती नजर आएंगी. आयुष्मान खुराना और शरवरी की केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस देखने लायक होगा. राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स की यह फिल्म दिवाली के बाद बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए उतरेगी. सूरज बड़जात्या की निर्देशित यह प्रेम मोल लिया 27 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दर्शकों का स्वागत करेगी.

भूत बंगला बॉक्स ऑफिसः अक्षय कुमार की फिल्म ने पार किया वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा

भू भूत बंगला की बॉक्स ऑफिस रफ्तार थोड़ी धीमी हुई, लेकिन शानदार ओपनिंग वीकेंड के बाद फिल्म की पकड़ अभी भी मजबूत बनी हुई है. अक्षय कुमार स्टारर इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में चौथे दिन उम्मीद के मुताबिक गिरावट आई, लेकिन इसने वैश्विक स्तर पर एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया. पेड प्रीव्यू से लेकर पहले सोमवार तक शानदार कमाई करने के बाद, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ी क्लब में प्रवेश कर लिया है, जिससे सिनेमाघरों में इसकी मजबूत पकड़ और भी पुख्ता हो गई है.

फिल्म ने गुरुवार को पेड प्रीव्यू से अपनी कमाई शुरू की और 3.75 करोड़ रुपये कमाए. इसके बाद, पहले दिन (शुक्रवार) को इसने 12.25 करोड़ रुपये की अच्छी ओपनिंग की. दूसरे दिन (शनिवार) को कलेक्शन में शानदार उछाल आया और इसने 19.00 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद तीसरे दिन (रविवार) को 23.00 करोड़ रुपये के साथ अब तक का सबसे अधिक एक दिवसीय कलेक्शन दर्ज किया गया. हालांकि, उम्मीद के मुताबिक, पहले कामकाजी दिन में कमाई में गिरावट आई. चौथे दिन (सोमवार) को, भूत बंगला ने भारत में 10,984 शो में 6.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. यह रविवार की तुलना में 70.7 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है, जो सप्ताहांत में अच्छी कमाई के बाद फिल्मों के लिए आम बात है. इन आंकड़ों के साथ, भारत में कुल कलेक्शन अब तक 64.75 करोड़ रुपये है. चार दिनों के बाद भारत में कुल कमाई 77.34 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. सोमवार की गिरावट के बावजूद, फिल्म के कुल आंकड़े सप्ताहांत में दर्शकों की फुटफॉल और पारिवारिक दर्शकों के कारण मजबूत होने का संकेत देते हैं. ओवरसीज कमाई ने भी फिल्म की कमाई बढ़ाने में अहम योगदान दिया. चौथे दिन, भूत बंगला ने ओवरसीज से 2.50 करोड़ रुपये कमाए. इससे फिल्म की कुल विदेशी कमाई 29.00 करोड़ रुपये हो गई. घरेलू और विदेशी प्रदर्शन को मिलाकर, फिल्म की वैश्विक कमाई अब 102.05 करोड़ रुपये हो गई है. इस तरह फिल्म ने रिलीज के चार दिनों के भीतर ही वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. इस उपलब्धि में ओपनिंग वीकेंड के प्रदर्शन का अहम योगदान रहा. फिल्म ने शनिवार और रविवार को जबरदस्त कमाई की, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन के एक दशक से अधिक समय बाद पुनर्मिलन से जुड़ी पुरानी यादों का समर्थन मिला. एक समय फिल्म ने बुकमाईशो पर प्रति घंटे 32.65 हजार टिकटों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया, जो अक्षय कुमार की किसी फिल्म के लिए प्रति घंटे सबसे अधिक टिकट बिक्री का रिकॉर्ड है. रिकॉर्ड के लिहाज से, भूत बंगला ने महामारी के बाद अभिनेता के लिए सबसे बड़े ओपनिंग वीकेंड में से एक दर्ज किया है. यह अब उनकी सबसे सफल वीकेंड ओपनिंग फिल्मों में से एक है, जो कुछ बड़ी फिल्मों से ही पीछे है. फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया कॉमेडी जॉनर में अभिनेता की वापसी का संकेत भी देती है. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को कड़ी टक्कर मिल रही है, खासकर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से. इसके बावजूद, भूत बंगला ने अपनी अलग पहचान बनाई है, खासकर पारिवारिक दर्शकों और हॉरर-कॉमेडी के प्रशंसकों के बीच. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित, भूत बंगला की कहानी अक्षय कुमार द्वारा अभिनीत अर्जुन आचार्य के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बहन की शादी एक भूतिया पुश्तैनी हवेली में भव्य तरीके से आयोजित करने की योजना बनाता है. कहानी में हास्य और अलौकिक उथल-पुथल का मिश्रण देखने को मिलता है. फिल्म में वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर, असरानी और अन्य कलाकारों सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं.

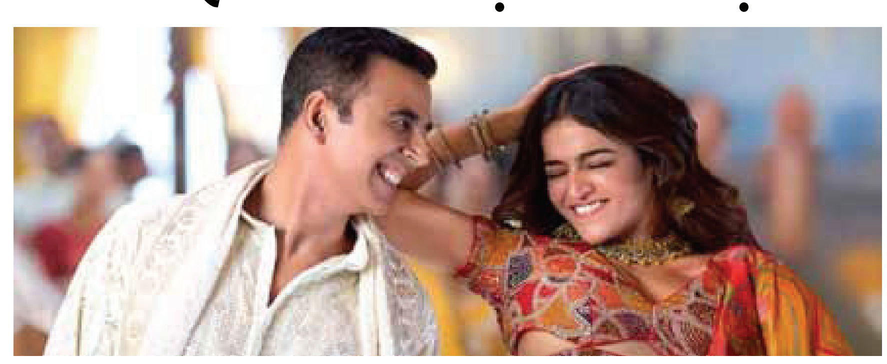

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो , एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

श्रीलंका : अवैध रूप से रह रहे एक भारतीय समेत 51 विदेशी गिरफ्तार

नेगोम्बो, एजेंसी। श्रीलंका के नेगोम्बो शहर में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे 50 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। आव्रजन और आप्रवासन विभाग ने मंगलवार को एक आवास पर छापा मारकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 47 चीनी, 2 मलयेशियाई और एक भारतीय नागरिक है। अधिकारियों के अनुसार ये सभी व्यापार वीजा पर श्रीलंका आए थे।

इंडोनेशिया : 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की संचार मंत्री मेउत्या हाफिद ने बुधवार को बताया कि वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने बच्चों के लिए लागू सोशल मीडिया प्रतिबंधों का पालन करने पर सहमति दे दी है। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने इस संबंध में अनुपालन पत्र सौंप दिया है। नए नियमों के तहत, इंडोनेशिया ने उच्च जोखिम वाले प्लेटफार्मों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट निष्क्रिय करने का निर्देश दिया है। कंपनी भविष्य में बच्चों और किशोरों को लक्षित करने वाले विज्ञापनों को भी हटाएगी। यूट्यूब ने बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप की मीडिया कंपनी टीएमटीजी ने ट्रुथ सोशल के सीईओ को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ने पूर्व कांग्रेसी डेविन नुनेस को सीईओ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिजिटल मीडिया कार्यकारी केविन मैकगर्न को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव कंपनी के शेयरों में 67 फीसदी की भारी गिरावट के बाद हुआ है, जिससे निवेशकों के 6 अरब डॉलर से अधिक डूब गए। नए सीईओ मैकगर्न ने कहा कि कंपनी अब ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है। ट्रंप ने इस प्लेटफॉर्म को ट्विटर के विकल्प के रूप में बनाया था।

आईएनएस निरीक्षक पहुंचा श्रीलंका... और बढ़ेगा समुद्री सहयोग

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल टर्नअराउंड यानी संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए श्रीलंका पहुंच गया है। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। भारतीय उच्चायोग ने बताया, श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को पुरानी नौसैन्य परंपराओं के मुताबिक कोलंबो बंदरगाह पर आईएनएस निरीक्षक का स्वागत किया। यह कमांडर शैलेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में श्रीलंकाई गोताखोरों को प्रशिक्षण देगा व अन्य गतिविधियों में भाग लेगा।

फिटनेस से जीतना चाहते हैं चुनाव लूला दा सिल्वा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा 80 साल की उम्र में भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उम्र को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वह रोज जिम में वर्कआउट कर रहे हैं और खुद को फिट दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह 120 साल तक जीना चाहते हैं। उनके प्रतिद्वंदी फ्लेवियो बोल्सोनारो उनसे लगभग आधी उम्र के हैं और वह भी फिटनेस दिखाकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों के बीच अब चुनाव सिर्फ नीतियों का नहीं बल्कि छवि का भी बन गया है। कुछ लोग लूला की उम्र को लेकर चिंतित हैं, जबकि कई लोग उनकी फिटनेस से प्रेरित भी हो रहे हैं। ब्राजील में 60 साल से ऊपर के मतदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह चुनाव और दिलचस्प हो गया है। इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

ईरान ने मेरे सम्मान में 8 महिलाओं की फांसी रोकी, ट्रंप का दावा; लेकिन खुल गई पोल

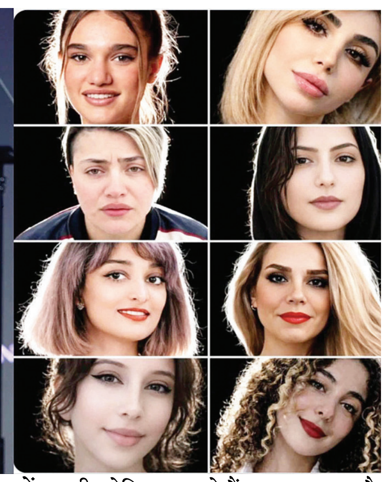

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच आठ ईरानी महिला प्रदर्शनकारियों की कथित फांसी की सजा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उनके कहने पर ईरान ने फांसी रोक दी है, वहीं ईरान ने उनके दावों को पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने मेरा सम्मान किया : बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने उनके प्रति सम्मान दिखाते हुए आठ महिला प्रदर्शनकारियों की फांसी रद्द कर दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसे बहुत अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इन आठ में से चार महिलाओं को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा और बाकी चार को सिर्फ एक महीने की जेल होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा- बहुत अच्छी खबर! मुझे अभी-अभी सूचित किया गया है कि ईरान में आज रात जिन आठ महिला प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जाने वाली थी, उन्हें अब नहीं मारा जाएगा। चार को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा, और चार को एक महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी। मैं इस बात की बहुत सराहना करता हूं कि ईरान और उसके नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे अनुरोध का सम्मान किया और प्रस्तावित फांसी को रद्द कर दिया। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ईरान का खंडन: ट्रंप अफवाहों का शिकार हुए : ईरान ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी इज्जत बचाने की कोशिश बताया है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मीजान' ने स्पष्ट किया कि इन महिलाओं को फांसी देने की कोई योजना ही नहीं थी। एजेंसी ने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को पहले ही रिहा किया जा चुका है। कुछ महिलाओं पर ऐसे आरोप जरूर हैं जिनमें उन्हें जेल हो सकती है, लेकिन मौत की सजा का कोई सवाल ही नहीं था। मीजान ने तंज कसते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में खाली हाथ रहने के कारण ट्रंप हताश हैं और झूठी खबरों के जरिए अपनी फर्जी उपलब्धियां गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रंप ईरान विरोधी गुटों द्वारा फैलाई गई झूठी अफवाहों के झांसे में आ गए हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सोशल मीडिया एक्टिविस्ट इयाल याकोबी की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया था। याकोबी ने अपनी पोस्ट में दावा किया था कि ईरान आठ महिलाओं को फांसी पर लटकाने की तैयारी कर रहा है। इस पोस्ट में उन महिलाओं की तस्वीरें भी शामिल थीं, जिन्हें फांसी दिए जाने का खतरा था।

इस जानकारी के सामने आने के बाद, ट्रंप ने सीधे ईरानी सरकार को संबोधित करते हुए एक सख्त लेकिन कूटनीतिक संदेश दिया था: ईरानी नेताओं को, जो जल्द ही मेरे प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने वाले हैं: मैं इन महिलाओं की रिहाई की बहुत सराहना करूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि वे (अमेरिकी प्रतिनिधि) इस बात का सम्मान करेंगे कि आपने ऐसा किया है। कृपया उन्हें (महिलाओं को) कोई नुकसान न पहुंचाएं! यह हमारी बातचीत के लिए एक शानदार शुरुआत होगी!!! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इस बयानबाजी के पीछे एक बड़ा युद्ध और व्यापारिक तनाव छिपा है। दरअसल यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अमेरिका ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। ट्रंप ने 8 अप्रैल को इस युद्धविराम का ऐलान किया था और मंगलवार को इसकी अवधि आगे बढ़ाई थी। ट्रंप की हताशा का एक बड़ा कारण यह है कि युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने से इनकार कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि विश्व का 20% (पांचवां हिस्सा) तेल और गैस का व्यापार इसी रास्ते से होता है। इस पूरे घटनाक्रम और विवाद पर बुधवार को न तो वाइट हाउस और न ही ईरान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत कोई आधिकारिक टिप्पणी की है। मीजान न्यूज एजेंसी लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि ईरान ने अमेरिका के सामने कोई रियायत नहीं दी है।

अब पाकिस्तान की नेशनल तेल रिफाइनरी पर बड़ा हमला, अज्ञात लोगों ने चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख तेल कंपनी 'नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड' ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि उनके दारिगवान प्लांट पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हमला किया गया है। यह घटना पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित दारिगवान साइट पर घटी। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तेजी से कार्रवाई करते हुए पूरी साइट और उसके आस-पास के इलाके को अपने घेरे में ले लिया है।

तलाशी अभियान जारी

इलाके को सुरक्षित करने के बाद, सुरक्षाबलों द्वारा वहां व्यापक स्तर पर 'क्लीयरेंस ऑपरेशन' चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि साइट के भीतर या आस-पास कोई भी हमलावर छिपा न हो और किसी भी प्रकार के विस्फोटक या खतरे को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। खबर लिखे जाने तक हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। साथ ही, अभी तक किसी भी विद्रोही या आतंकी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। क्या है नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड पाकिस्तान की प्रमुख तेल रिफाइनरी कंपनियों में से एक है। यह कच्चे तेल को प्रोसेस करके पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन उत्पाद बनाती है। दारिगवान साइट कंपनी की महत्वपूर्ण सुविधाओं में से एक है, जहां तेल संबंधी कामकाज होता है। बलूचिस्तान में खूब होते हैं हमले बलूचिस्तान पाकिस्तान में सुरक्षा चुनौतियों से भरा इलाका है। यहां बलूच अलगाववादी संगठन अक्सर सरकारी और विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं। हाल के वर्षों में खनन क्षेत्रों (कोयला खदानें) और सुरक्षा बलों पर भी हमले हुए हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों, गैस, तेल और खनिज से काफी समृद्ध है। लेकिन यहां लंबे समय से अलगाववादी और विद्रोही गुट सक्रिय रहे हैं। फिलहाल, कंपनी और प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रण में बताया गया है और सुरक्षा बल इलाके को पूरी तरह से खतरे से मुक्त करने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए हैं। पिछले 50 दिनों के भीतर भारत सहित दुनियाभर के छह देशों की प्रमुख तेल रिफाइनरियों में आग लगने और धमाकों की एक बेहद रहस्यमयी घटनाएं देखी गई हैं।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान पर कसा शिकंजा, अमेरिकी आर्मी बोली- अब तक 31 जहाज लौटे वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नाकाबंदी के तहत 31 जहाजों को वापस लौटने या बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इनमें से ज्यादातर जहाज तेल टैंकर थे।

सेंट्रल कमांड ने क्या कहा सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस कार्रवाई में उन्हें काफी सहयोग मिला है। पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। इस मिशन का पैमाना बहुत बड़ा है। ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के लिए 10,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, 17 युद्धपोत और 100 से ज्यादा विमान तैनात किए गए हैं।

सैन्य कार्रवाई से बढ़ा तनाव : इस बड़ी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। बुधवार तनाव तब और बढ़ गया जब ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन व्यापारिक जहाजों पर गोलियां चलाईं और उनमें से दो पर कब्जा कर लिया। यह घटना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के ठीक 24 घंटे बाद हुई, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी जारी रखने की बात कही थी। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान संकट को कम करने के लिए बातचीत की मेज पर आए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने युद्धविराम के लिए कोई औपचारिक समय सीमा तय नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक बड़ी शर्त रखी है। किसी भी स्थायी समझौते के लिए ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम का पूरा भंडार सौंपना होगा। यह शर्त गैर-परक्राम्य है, यानी इस पर कोई समझौता नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि जब तक तेहरान कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं देता और बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक यह समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। दूसरी तरफ, ईरान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस नाकाबंदी को युद्ध की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा युद्धविराम का सीधा उल्लंघन है।

कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट का बचाव किया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दुनिया भर में तेल की कीमतों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी होने से रोका जा सका। हालांकि, डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी कि इससे रूस को युद्ध के लिए पैसा मिल सकता है और ईंधन महंगा बना रह सकता है। सीनेट की एक समिति के सामने बोलते हुए बेसेंट ने कहा कि यह कदम उस समय उठाया गया जब बाजार में काफी अनिश्चितता थी, ताकि तेल की सप्लाई स्थिर रखी जा सके। उन्होंने बताया, 'हम 25 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बाजार में बनाए रखने में सफल रहे।'

बेसेंट ने कहा कि अगर यह छूट नहीं दी जाती, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आज तेल की कीमत करीब 100 डॉलर है। अगर हमने यह राहत नहीं दी होती, तो यह 150 डॉलर तक जा सकती थी।' उन्होंने कहा कि यह नीति आम लोगों को राहत देने के लिए बनाई गई है। कम कीमत लोगों के लिए बेहतर है।

वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया। क्रिस कून्स ने कहा कि इस छूट से रूस को अरबों डॉलर मिल सकते हैं और इससे उस पर दबाव कम हो जाएगा, जो इस समय बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोग आज भी महंगा पेट्रोल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डेलावेयर में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन के हिसाब से पेट्रोल खरीद रहे हैं।

कून्स ने सवाल उठाया कि क्या इस नीति से सच में लोगों को कोई राहत मिली है। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया कि रूस या ईरान को इससे कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। उन्होंने बताया कि इस छूट को बढ़ाने का फैसला दुनिया के कई गरीब और कमजोर देशों की मांग पर लिया गया था। उन्होंने कहा, '10 से ज्यादा गरीब देशों ने हमसे इस छूट को बढ़ाने की अपील की थी, इसलिए इसे सिर्फ 30 दिनों के लिए बढ़ाया गया।

इसी बीच, कुछ नेताओं ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर भी चिंता जताई। जैक रीड ने कहा कि अमेरिका में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन से ज्यादा कीमत पर पेट्रोल खरीद रहे हैं, जो आम परिवारों पर बोझ है।

बेसेंट ने कहा कि बाजार के हालात धीरे-धीरे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि तेल बाजार इस समय 'बैकवर्डेशन' की स्थिति में है, यानी आगे चलकर कीमतें कम हो सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई, 'मुझे लगता है कि यह संघर्ष खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें फिर पहले जैसी या उससे भी कम हो जाएंगी। यह पूरी बहस अमेरिका की राजनीति में मतभेद को दिखाती है। सरकार का कहना है कि थोड़ी लचीलापन रखने से बाजार स्थिर रहता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे रूस पर दबाव कम होता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध पश्चिमी देशों की नीति का अहम हिस्सा रहे हैं। कोशिश यह रही है कि रूस की कमाई कम हो, लेकिन दुनिया में तेल की सप्लाई पर बड़ा असर न पड़े।

दुनिया में तेल की कीमतें अब भी अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर मध्य पूर्व की स्थिति से प्रभावित होती हैं। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी से कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों पर भी पड़ता है।

होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद भ्रम की स्थिति, इस्त्राइली हमले में पत्रकार की मौत

वॉशिंगटन।, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। पाकिस्तान ने बातचीत के दूसरे दौर की मेजबानी करने का प्लान बनाया था, लेकिन ईरान के बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशों को मना करने पर व्हाइट हाउस ने वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस की इस्लामाबाद की प्लान की गई यात्रा को रोक दिया। ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम बढ़ने की बात तो मानी है, लेकिन वह नई बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीसरे जहाज पर हमला किया, जिससे युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर सवाल उठ रहे हैं। जिस जहाज पर हमला हुआ उसका नाम यूफोरिया है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह जहाज ईरानी तट पर फंस गया था, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले ईरान ने दो अन्य जहाजों पर हमला करके उन्हें अपने कब्जे में ले लिया था।

दक्षिणी लेबनान में इस्त्राइली हवाई हमले में लेबनानी पत्रकार अमल खलील की मौत हो गई। वह इस्त्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष की रिपोर्टिंग कर रही थीं और हमले के दौरान एक घर में शरण ली हुई थी। बचावकर्मियों के अनुसार, उनका शव मलबे से कई घंटे बाद निकाला गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला दक्षिणी गांव अल-तिरी में हुआ। खलील इससे पहले एक अन्य हवाई हमले के बाद अपने सहयोगी के साथ कार से उतरकर इस घर में छिप गई थीं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पहले हमले में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दूसरे हमले में उसी घर को निशाना बनाया गया जहां खलील और उनकी सहयोगी जैनब फराज मौजूद थीं। बचावकर्मी शुरुआत में फराज को गंभीर हालत में निकालने में सफल रहे। लेकिन इस्त्राइली गोलीबारी के कारण उन्हें खलील तक पहुंचने का प्रयास रोकना पड़ा। कई घंटों बाद लेबनानी सेना, पुलिस और रेड क्रॉस की मदद से उनका शव निकाला जा सका। इस्त्राइली सेना ने कहा कि गांव में कुछ लोगों ने युद्धविराम का उल्लंघन किया था, जिससे उनके सैनिकों को खतरा था। हालांकि, सेना ने पत्रकारों को निशाना बनाने और बचाव कार्य में बाधा डालने के आरोपों से इनकार किया है और मामले की जांच की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका को एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक कूटनीति के रास्ते अभी बंद नहीं हुए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके लिए अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकाबंदी तुरंत खत्म करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'साहसी बने रहें : मैकी सैल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की दिशा में 'हमें साहसी बने रहना होगा', यह बात संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने कही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने बुधवार को यहां एक उम्मीदवार फोरम में कहा, सुरक्षा परिषद में सुधार पर चल रही बहस 30 वर्षों से अधिक समय से जारी है लेकिन 'जिस बात पर हम सभी सहमत हो सकते हैं, वह यह है कि आज सुरक्षा परिषद मौजूदा दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती।' उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के कई अलग-अलग प्रस्ताव हैं, और कुछ का यह भी मानना है कि 'यह अभी तनाव के समय में नहीं हो सकता, इसके लिए और समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं जो कर सकता हूं वह है इस एजेंडे को आगे बढ़ाना,' यह जवाब उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील (जी 4) के प्रतिनिधि के रूप में दिया, जो संयुक्त रूप से सुधार की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें समावेश सुनिश्चित करना होगा, साथ ही परिषद की विश्वसनीयता और सबसे महत्वपूर्ण उसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि पांच वीटो शक्तियों के साथ यह पहले से ही एक कठिन काम है। उन्होंने कहा, 'सभी विकल्प खुले हैं, और मैं जितना संभव हो सके उतना प्रयास करूंगा।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'बेशक, अंतिम निर्णय महासचिव का नहीं होता। यदि यह सुधार आगे बढ़ना है, तो यह सदस्य देशों का निर्णय होगा।' सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सैल इस वर्ष एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वे अफ्रीका से एकमात्र उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य तीन लैटिन अमेरिका से हैं। उन्हें बुरुंडी द्वारा नामित किया गया है, जिसके राष्ट्रपति एवरिस्टे नदायिशिमीये अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उनके अपने देश ने उनका समर्थन नहीं किया है। तीन घंटे के सत्र के दौरान जब उन्होंने राजनयिकों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के सवालों का सामना किया, तब उनके समर्थक और विरोधी संयुक्त राष्ट्र भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मैकी सैल 2022-23 में अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष रहे थे, जब संगठन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान जी 20 का सदस्य बना। उन्होंने जी 20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता के अपने प्रयासों को यह दिखाने के उदाहरण के रूप में पेश किया कि अगर वे संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बने तो कैसे नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ का जी 20 में शामिल होना 'उस समय एक स्वाभाविक बात नहीं थी लेकिन यह संवाद और बातचीत के माध्यम से संभव हुआ।

लेबनान में इजरायली हमले में एक और पीसकीपर की मौत, यूएन महासचिव गुटेरेस ने जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। लेबनान में इजरायली हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली हमले में मारे गए फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, लेबनान में यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स (यूएनआईएफआईएल) में काम कर रहे दूसरे फ्रांसीसी सैनिक की शनिवार को हुए हमले में घायल होने से मौत से दुखी हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (लोकल टाइम) को एक बयान में कहा कि पीसकीपर्स पर हमले बंद होने चाहिए। ये अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन हैं और वॉर क्राइम की श्रेणी में आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने यूएन प्रवक्ता के हवाले से बताया कि पीसकीपर्स पर हुए सभी हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर असरदार तरीके से मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस बारे में, महासचिव शनिवार की घटना के बारे में लेबनानी अधिकारियों के बताए गए प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने सभी लोगों से गुरुवार को घोषित इजरायल-लेबनान सीजफायर का सम्मान करने की अपील की। ??बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र दुश्मनी खत्म करने और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की दिशा में डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका मकसद हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच लड़े गए 2006 के लेबनान युद्ध को सुलझाना है। गुटेरेस ने दूसरे शांति सैनिक के परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ-साथ फ्रांस की सरकार और लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई है। बुधवार को पहले, स्टीफन दुजारिक ने मारे गए फ्रांसीसी सैनिक की पहचान 31 साल के कॉर्पोरल अनिसेट गिरार्डिन के रूप में की, जो एक स्पेशलिस्ट डॉग हैंडलर थे।

गिरार्डिन इतनी बुरी तरह से घायल हुए थे कि बुधवार को पेरिस के एक हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। दुजारिक ने कहा कि जब दक्षिणी लेबनान में सड़क साफ करते समय यूएनआईएफिल की फ्रांसीसी टुकड़ी के साथ काम कर रही विस्फोटक ऑर्डनेंस डिस्पोजल टीम पर हमला हुआ, तो वह बुरी तरह घायल हो गए। यह कार्रवाई यूएनआईफिल के अलग-थलग पड़े ठिकानों तक दोबारा पहुंच बहाल करने के प्रयास के तहत की जा रही थी। गिरार्डिन शनिवार की घटना में मरने वाले दूसरे सैनिक थे। एक और फ्रांसीसी सैनिक, जो बुरी तरह घायल हो गया था, उसे भी इलाज के लिए मंगलवार को पेरिस वापस भेज दिया गया। वह अभी भी मेडिकल केयर में है। दुजारिक ने कहा कि एक चौथा पीसकीपर, जिसे मामूली चोटें आई थीं, दक्षिणी लेबनान में अपनी यूनिट के साथ अपनी पोस्ट पर लौट आया है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का शुरुआती अंदाजा था कि पीसकीपर पर नॉन-स्टेट हथियारबंद समूह हिज्बुल्लाह ने शायद हमला किया था।

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी : लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com